हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 6 अगस्त 2025

उत्तराखंड के धराली में बादल फटने से खीर गंगा नदी में आई बाढ़ में चार लोगों की मौत, कई लापता, सेना ने संभाला मोर्चा

पीएम मोदी ने ली जानकारी दिया हर संभव मदद का भरोसा

बादल फटने से तबाही: सैलाब में तबाह हो गए होटल, गांव- बाजार

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने से बड़ा हादसा हुआ है। गंगोत्री धाम और मुखवा के पास स्थित धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से खीर गंगा नदी में बाढ़ आ गई। बाढ़ का पानी बहुत तेज़ी से पहाड़ों से निचले इलाकों की तरफ बहकर आया, जिससे होटल, लॉज, कई घर पूरी तरह तबाह हो गए। गांव में तबाही का मंजर दिखा, वहीं बाजार भी सैलाब में बह गया। हादसे में अब तक चार लोगों की मौत हो गई है और 50 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं।

हेलीपैड बहा, हर्षिल में सेना कैंप भी चपेट में आया, कई जवान लापता

4 की मौत | 70 से अधिक लापता 130 से अधिक का रेस्क्यू

एजेंसी ▶▶| उत्तरकाशी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने के कारण खीर गंगा नदी में आयी विनाशकारी बाढ़ में चार लोगों की मौत हो गई और 130 से अधिक लोगों को बचा लिया गया। अभी भी करीब 70 लोग लापता बताए जा रहे हैं। उत्तराखंड सरकार के अनुसार राज्य आपदा प्रतिवादन बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस तथा सेना सहित अन्य राहत एजेंसियों ने मिलकर घटनास्थल से 130 से अधिक लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। इससे पहले, घटनास्थल के लिए जाते समय उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने संवाददाताओं को बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना में चार लोगों की मृत्यु हुई है। बाढ़ में लापता ▶▶|शेष पेज 6 पर

48 घंटों से रुक-रुक कर बारिश

उत्तराखंड में विभिन्न स्थानों पर पिछले 48 घंटों से रुक-रुक कर लगातार बारिश होने से गंगा, यमुना सहित सभी नदी-नाले उफान पर आ गए और भूस्खलन से सड़के बाधित हो गयीं जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में प्रदेश के 13 में से 11 जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए जलभराव होने तथा बाढ़ का खतरा पैदा होने की चेतावनी जारी की है।

मौके पर पहुंचे 150 सेना के जवान

सेना ने जानकारी दी कि आज दोपहर करीब 1:45 बजे धराली गांव के पास लैंडस्लाइड हुआ, ये जगह स्थित भारतीय सेना कैंप से लगभग 4 किलोमीटर दूर है। घटना की सूचना मिलते ही भारतीय सेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 150 जवानों को मौके पर भेजा, जो सिर्फ 10 मिनट में वहां पहुंच गए और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया। अब तक 15 से 20 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। घायलों को इलाज के लिए हर्षिल स्थित सेना के मेडिकल सेंटर में पहुंचाया गया है। फिलहाल राहत और बचाव का काम लगातार जारी है।

कहां हुआ हादसा

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में जहां बादल फटने की घटना हुई है, वह राजधानी देहरादून से 220 किलोमीटर दूर है। यह इलाका गंगोत्री धाम के बाहर नजदीक है। धराली गांव एनएचएस-34 पर हर्षिल से करीब 6-7 किलोमीटर ऊपर गंगोत्री की ओर खीर गंगा नदी के समीप स्थित है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में बड़ी संख्या में होम स्टे और होटल भी थे।

पीएम मोदी ने जताई संवेदना

उत्तरकाशी हादसे के बाद पीएम मोदी ने कहा कि, उत्तरकाशी के धराली में हुई इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही सभी पीड़ितों की कुशलता की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से बात कर मैंने हालात की जानकारी ली है।

केदारनाथ, ऋषिगंगा आपदा की भयावह यादें ताजा कीं

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में मंगलवार दोपहर बादल फटने से मची भीषण तबाही ने 2013 की केदारनाथ और 2021 की ऋषिगंगा आपदा की भयावह यादें ताजा कर दीं। गांव के रहने वाले एक प्रत्यक्षदर्शी सुभाष चंद्र सेमवाल (60) ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा भयावह दृश्य कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि दोपहर बाद जब वह आराम करने जा रहे थे कि तभी उन्हें तीव्र गति से पानी और पत्थरों के बहने की आवाज सुनाई दी, जिसे सुनकर वह और उनके परिवार के अन्य सदस्य बाहर निकल आए। सेमवाल ने कहा,जब हमने खीरगंगा में भारी मात्रा में पानी बहकर नीचे की ओर आते देखा तो हम सब पहले तो घबरा गए।

खबर संक्षेप

पूर्व आईएएस अधिकारी के परिसरों पर छापे

गुवाहाटी। प्रवर्तन निदेशालय ने असम राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में 105 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के सिलसिले में मंगलवार को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सेवाली देवी शर्मा और अन्य के खिलाफ छापेमारी की। एससीईआरटी की पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष एवं निदेशक शर्मा एवं उनके कुछ कथित सहयोगियों के कम से कम आठ परिसरों पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत छापे मारे गए। धनशोधन का यह मामला असम के मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ के निर्देश पर पुलिस द्वारा मई 2023 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी पर आधारित है।

सोरेन का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नेमरा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का रामगढ़ जिले में

स्थित उनके पैतृक गांव नेमरा में मंगलवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके बड़े बेटे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जैसे ही मुखाग्नि दी, लोगों ने 'गुरुजी अमर रहें' के नारे लगाए। इस दौरान देश के शीर्ष नेताओं से लेकर बड़ी संख्या में आम लोगों ने नम आंखों से 'दिशोम गुरु' को अंतिम विदाई दी।

दवा निगम से पद्मिनी आउट, मित्तल का कद बढ़ा, सीएम सचिवालय में इंट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य शासन ने 10 आईएएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी कर दिए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में सीजी एमएससी की एमडी पद्मिनी भोई साहू की छुट्टी करते हुए उनके स्थान पर रितेश अग्रवाल को नया एमडी बनाया गया है। दवा निगम लंबे समय से भ्रष्टाचार के चलते विवादों में हैं। मोक्षित कारपोरेशन का एमडी शशांक चोपड़ा जेल में बंद है और ▶▶|शेष पेज 6 पर

खास खबर

हिना और अश्वनी को अतिरिक्त प्रभार

पद्मिनी भोई साहू प्रबंध संचालक, छग मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन, रायपुर को संचालक, कोष एवं लेखा के पद पर पदस्थ करते हुए संचालक, पेंशन एवं पंजीयक, फर्म एवं संस्थाएं का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। हिना अनिमेष नेताम उप सचिव, राजभवन, रायपुर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के पद पर पदस्थ किया गया है।

रवि मित्तल संयुक्त सचिव, सीएम सचिवालय

रवि मित्तल, आयुक्त, जनसंपर्क तथा अतिरिक्त प्रभार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संवाद को संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय ▶▶|शेष पेज 6 पर

सीजीपीएमसी घोटाले में चोपड़ा की 40 करोड़ की संपत्ति ईडी ने की जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्वास्थ्य विभाग और सीजीएमएससी के सबसे बड़े रीएजेंट और उपकरण घोटाले से जुड़े लोगों की 40 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति ईडी ने जब्त कर ली है। अरबों के घोटाले में पीएमएलए दर्ज करने के बाद ईडी ने 30-31 जुलाई

- लग्जरी कार डिजिटल गैजेट्स और विभिन्न बैंक खातों में जमा राशि सीज

को मोक्षित कार्पोरेशन के डायरेक्टर शशांक चोपड़ा, उनके रिश्तेदार तथा मिलीभगत में शामिल अधिकारियों के 20 ठिकानों की तलाशी ली थी। मामले में ईडी की एंट्री के बाद इस बात की ▶▶|शेष पेज 6 पर

यह था मामला

मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी शशांक चोपड़ा ने सीजीएमएससी से जुड़े अधिकारियों के साथ संगठित गिरोह बनाकर इस अरबों की ठगी को अंजाम दिया था। उसके द्वारा अपने कई उत्पादों को बाजार मूल्य से कई सौ गुना अधिक दाम में स्वास्थ्य विभाग को सप्लाई किया गया था। इसके अलावा उनके द्वारा करोड़ों रुपये के रीएजेंट ▶▶|शेष पेज6 पर

कई बड़े अफसरों से पूछताछ की संभावना

ईडी की एंट्री के बाद इस मामले में एक बार दवा कार्पोरेशन से जुड़े तत्कालीन और वर्तमान अधिकारियों से पूछताछ किए जाने की संभावनना बढ़ती नजर आ रही है। जानकार सूत्रों का कहना है कि विभागीय स्तर पर हुए इतने बड़े घोटाले से आला अधिकारी अनभिज्ञ कैसे रहे होंगे। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े किसी भी तरह के ▶▶|शेष पेज 6पर

19 करोड़ का पुल, टेस्टिंग के लिए विशेषज्ञ नहीं ढूंढ पाया विभाग

अब भी खाली हवा में झूल रहा टोला का लक्ष्मण झूला!

अतुल अग्रवाल ▶▶| दुर्ग

19.40 करोड़ की लागत से तैयार सस्पेंशन ब्रिज जिसे लक्ष्मण झूला नाम दिया गया है, वह पिछले करीब 3 महीने से उद्घाटन के इंतजार में है। रायपुर और दुर्ग जिले की सीमा पर बना यह ब्रिज सिर्फ लोड टेस्टिंग की वजह से शुरू नहीं किया जा सका है। खबर है कि जल संसाधन विभाग को लोड टेस्टिंग के लिए एक्सपर्ट नहीं मिल रहे हैं, जिस वजह से ब्रिज बनने का बाद भी शुरू नहीं हो पाया है। लगभग 225 मीटर लंबा यह ब्रिज पाटन के ग्राम परसदा स्थित ठकुराइन ▶▶|शेष पेज6 पर

- एक समय में 1 हजार से ज्यादा लोगों की आवाजाही की क्षमता वाला ब्रिज 3 महीने से उद्घाटन के इंतजार में

हरिभूमि सरोकार

लोड टेस्टिंग का काम जल्द होगा, तैयारी चल रही

लोड टेस्टिंग का काम जल्द होगा, इसे लेकर तैयारी चल रही है। रुढ़की आईआईटी के विशेषज्ञों की टीम जल्द आने वाली है। उनकी रिपोर्ट के बाद ब्रिज को शुरू किया जा सकेगा। करीब 19 करोड़ रुपए की लागत से ब्रिज को तैयार किया गया है।
-गोपी शर्मा, अनुभागीय अधिकारी जल संसाधन विभाग पाटन

आईआईटी रुढ़की और विशेषज्ञों से किया संपर्क

जानकारी के मुताबिक ब्रिज की क्षमता करीब 1 हजार लोगों की है, लेकिन अब तक इसका लोड टेस्ट नहीं हुआ है। खबर है कि इसकी टेस्टिंग के लिए जल संसाधन विभाग ने आईआईटी रुढ़की के इंजीनियरों से संपर्क किया है, लेकिन उनके निरीक्षण का तारीख तय नहीं हो पाई है। विभागीय अधिकारियों की मानें तो थर्ड पार्टी कंसलटेंट से भी मदद लेने की तैयारी है, ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी सामने न आए। बहरहाल लक्ष्मण झूला को फिलहाल बंद रखा गया है। सुरक्षा गार्ड की तैनाती की गई है।

तीन साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री ने किया था भूमिपूजन

जानकारी के मुताबिक करीब तीन साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसका भूमिपूजन किया था। उस समय कहा गया था लक्ष्मण झूला बनने के साथ ही इस क्षेत्र को पर्यटन के रूप में विकसित किया जाएगा। गार्डन, खेलकूद के लिए झूले, बेहतर लाइटिंग से लेकर अन्य इंतजाम होने हैं, लेकिन लक्ष्मण झूला का ही काम पूरा नहीं हो पाया है। बता दें कि पिछले करीब तीन महीने से ब्रिज बनकर तैयार है। पिछले दिनों इसका रंग-रोगन भी किया। वर्तमान में रंग-रोगन खराब होने लगा है। देखरेख के अभाव में कुछ जगहों पर बनी दीवारों पर दरारें भी आने लगी हैं।

खटाई में पड़ी रीजनल कनेक्टिविटी योजना, यात्रियों के संकट से अंबिकापुर- बिलासपुर की उड़ान बंद

हरिभूमि न्यूज़ः रायपुर

प्रदेश के भीतर दो शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ने की योजना सफल होती नहीं दिख रही है। पर्याप्त संख्या में यात्री नहीं मिलने की वजह से शुरू होने वाली फ्लाइट कुछ ही दिनों में बंद हो जा रही है। तीन शहर अंबिकापुर, बिलासपुर और रायपुर को हवाई कनेक्टिविटी देने वाली छोटी फ्लाइट फिलहाल बंद कर दी गई है। इसके पूर्व जगदलपुर-रायपुर को जोड़ने वाली दो कंपनियों की फ्लाइट का संचालन भी यात्री संकट की वजह से रोका जा चुका है।

क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत विभिन्न एयरलाइंस कंपनियों द्वारा दो शहरों के बीच

इसी समस्या का जगदलपुर-रायपुर की फ्लाइट पर लगा था ग्रहण

फ्लाइट की शुरुआत तो की जाती है, मगर कुछ दिनों बाद ही उसके संचालन में समस्या आन खड़ी होती है। कुछ ऐसा ही छत्तीसगढ़ में कुछ शहरों को राजधानी रायपुर से जोड़ने की योजना के साथ भी हो रहा है। यहां सबसे पहले जगदलपुर-रायपुर के बीच विमान सेवा की शुरुआत की गई। तीन विमानन कंपनियों ने अलग-अलग समय में दोनों शहरों के बीच यात्री विमान संचालित करना शुरू किया। कुछ दिनों तक शेड्यूल में उड़ान के बाद यात्रियों की संख्या कम होने की वजह से उड़ान में कटौती शुरू करने के बाद इनका संचालन ही बंद कर दिया गया। कुछ ऐसा ही हाल तीन शहर अंबिकापुर, बिलासपुर और रायपुर की जोड़ने वाले छोटे एयरक्राफ्ट के साथ होता नजर आ रहा है। विमानन कंपनी ने दिसंबर में इसका संचालन प्रारंभ किया था, मगर कुछ समय बाद यात्री संकट की वजह से उसकी उड़ान सप्ताह में 6 के बजाए तीन दिन कर दिया गया था। इस फ्लाइट का संचालन अभी पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। विमानन कंपनी द्वारा मानसून में विजबिलिटी की कमी का हवाला देकर इसका संचालन नहीं किया जा रहा है।

छोटी प्लाइट फिर भी यात्री कम

फ्लाई बिग द्वारा तीन शहरों को जोड़ने के लिए 19 सीटर छोटे एयरक्राप्ट का उपयोग किया गया था और उसके लिए किराया भी बेहद कम रखा था। शुरुआती दिनों में कुछ यात्रियों ने अपना सफर पूरा किया, इसके बाद फ्लाइट में यात्री की समस्या होने लगी। कंपनी ने कई बार यात्री नहीं होने की वजह से अपने उड़ान पर ब्रेक भी लगाया। इस फ्लाइट में यात्रा करने के लिए एयरलाइंस कंपनी ने टिकट बुकिंग की सुविधा सीधे अपने साइट पर दी थी। इसके लिए किसी ना ट्रैवल्स संचालकों से अनुबंध किया गया था और न सिटी अथवा एयरपोर्ट में बुकिंग काउंटर खोला गया था।

तीन एयरलाइंस कंपनियों की कोशिश नाकाम

जगदलपुर-रायपुर के बीच विमान सेवा शुरू करने सबसे पहले एयर ओडिशा ने विमानतल प्राधिकरण से अनुबंध किया था। तीन शहरों के बीच यात्रा करने के बाद भी इसके लिए पैसेंजर की समस्या आन खड़ी हुई। विमानन कंपनी ने बीच में अपना करार खत्म कर लिया। इसके एलायंस एयर ने दोनों शहरों के साथ हैदराबाद तक की यात्रा के लिए फ्लाइट शुरू की। इंडिगो भी अपनी एक फ्लाइट इसी सेक्टर में लेकर आई, मगर कम यात्रियों की परेशानी की वजह से उन्होंने फ्लाइट के संचालन से अपन हाथ खींच लिया।

प्रदेश में पहली बार 660 मेगावाट के दो संयंत्र, पानी से भी बनेगी 7300 मेगावाट बिजली

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रदेश सरकार राज्य में बिजली का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। 14 हजार मेगावाट की योजनाओं पर काम चल रहा है। पहले चरण में मार्च में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरबा में 660 मेगावाट के दो संयंत्रों के निर्माण का उद्घाटन किया है। सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट की 660 मेगावाट की दो इकाइयों का निर्माण भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (भेल) के सहयोग से किया जाएगा। संभावना है कि इस माह से इसका काम प्रारंभ हो जाएगा। इसका निर्माण 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी के कोरबा पश्चिम में 660 मेगावाट के दो संयंत्र बनेंगे। इसके निर्माण कार्य का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर दिया है। इसके पहले सबसे बड़े दो संयंत्र 500-500 मेगावाट के मड़वा में लगे थे। कोरबा पश्चिम में पॉवर कंपनी के पास अपनी जमीन भी है। यहां 60 साल पुराने 50 मेगावाट के चार और 120 मेगावाट के दो संयंत्र प्रदूषण के कारण बंद हो चुके हैं। अब उसी स्थान पर नए संयंत्र पर काम प्रारंभ किया जाएगा। मड़वा में भी 660 मेगावाट का एक संयंत्र लगाने की योजना है।

पांच स्थानों पर पानी से बनेगी बिजली

पानी से बिजली बनाने के लिए पांच स्थानों का चयन किया गया है। इसमें हसदेव बांगो कोरबा में आठ सौ और सिकासेर बांध गरियाबंद में 12 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। जशपुर के डांगरी में 14 सौ मेगावाट और रौनी में 21 सौ मेगावाट का प्लांट लगाया जाएगा। इसके लिए तैयारी हो गई है। पहले चरण में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में 35 सौ मेगावाट बिजली का उत्पादन पानी से किया जाएगा। इसी के साथ बलरामपुर के कोटपल्ली में 18 सौ मेगावाट का प्लांट लगेगा। इन स्थानों पर पंप हाइड्रो योजना के तहत 7300 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। प्रदेश में लगातार बिजली की खपत में इजाफा हो रहा है। अब तो खपत सात हजार मेगावाट के भी पार हो गई है।

क्या आपको मोतियाबिंद है?
मोतियाबिन्द का कराएं सफल ऑपरेशन
WORLD CLASS CATARACT TREATMENT
MICS - Micro Incision Cataract Surgery
NABH Accredited
- मोतियाबिन्द ऑपरेशन द्वारा दूर एवं पास के चश्मे से छुटकारा
- विश्वस्तरीय प्रीमियम IOL प्रत्यारोपण (Alcon Panoptix, Vivity, Clareon, IQ, Toric Lens)
- एडवांस मोतियाबिन्द ऑपरेशन फेको पद्धति द्वारा
- विश्वस्तरीय आधुनिक मशीनों से सुसज्जित रेटिना डिपार्टमेन्ट
- अनुभवी सर्जन (80 हजार सफल सर्जरी का अनुभव)
- बिना इंजेक्शन, बिना टांके, बिना पट्टी बांधे, शीघ्र रिकवरी
- 10 मिनट में ऑपरेशन और 2 घंटे में छुट्टी

कोल इंडिया लिमिटेड से मान्यता प्राप्त | छ.ग. शासन के कर्मचारियों के उपचार हेतु मान्यता प्राप्त | छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल से मान्यता प्राप्त | द. पू. म. रेलवे के कर्मचारियों का कैशलेस ईलाज हेतु मान्यता प्राप्त | इंश्योरेंस, टी पी ए कम्पनी से मान्यता प्राप्त

Vinayak Netralaya
विनायक नेत्रालय
अग्रसेन चौक के पास, लिंक रोड, बिलासपुर (छ.ग.) 9685333999

CSPDCL छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

सस्ती नहीं, मुफ्त बिजली की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

31 लाख परिवारों को मिल रहा हाफ बिजली बिल योजना का लाभ

15 लाख BPL परिवारों को 30 यूनिट फ्री + हाफ बिजली बिल योजना का लाभ

डबल सब्सिडी
केंद्र के साथ मिल रही राज्य की भी सब्सिडी

- हर महीने 200-360 यूनिट तक बिजली उत्पादन
- बिजली बिल होगा शून्य बची बिजली से होगी कमाई

उपभोक्ता से बनें ऊर्जादाता

पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना
मासिक बिजली बिल से भी कम ई.एम.आई. में लगाएं रूफ टॉप सोलर प्लांट

सोलर प्लांट क्षमता	केंद्र सरकार की सब्सिडी	राज्य सरकार की सब्सिडी	कुल सहायता राशि	आसान मासिक EMI
1 kW	₹30,000	₹15,000	₹45,000	₹167
2 kW	₹60,000	₹30,000	₹90,000	₹333
3 kW	₹78,000	₹30,000	₹1,08,000	₹800

*बैंक द्वारा 6% ब्याज दर पर आसान किश्तों में 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा (ई.एम.आई.) उपलब्ध

हमारा संकल्प
हाफ बिजली से मुफ्त बिजली

आवेदन प्रक्रिया व अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए लिंक पर जाएं
https://pmsuryaghar.gov.in/
QR कोड स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

बिलासपुर
बुधवार, 6 अगस्त 2025
श्रावण शुक्ल पक्ष द्वादशी
वर्ष : 25, अंक : 136
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4.00***

मौसम
अधि. 33.5
न्यून. 26.1

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे प्राइवेट स्कूल वाले, खुद मर्सिडीज में घूम रहे, पान दुकान वाला भी बिना मान्यता के नर्सरी स्कूल चला रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने राइट टू एजुकेशन (आरटीई) अधिनियम के तहत गरीब बच्चों को प्रवेश नहीं देने और बिना मान्यता के स्कूलों के संचालन को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने शिक्षा विभाग से इस गंभीर लापरवाही पर जवाब मांगा है और पूछा है कि आखिर क्यों ऐसे स्कूल संचालकों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार और शिक्षा सचिव को निर्देशित किया कि वे 13 अगस्त तक शपथपत्र के माध्यम से स्पष्ट करें कि इस पूरे मामले में अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। कोर्ट ने यह भी कहा है कि शिक्षा के अधिकार के तहत 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य ▶▶|शेष पेज 6 पर

- आरटीई के तहत गरीब बच्चों को प्रवेश नहीं देने और बिना मान्यता के स्कूल संचालन पर हाईकोर्ट की सख्ती
- राज्य सरकार और शिक्षा सचिव को 13 अगस्त तक शपथपत्र देने कहा, बच्चों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा

क्या हाईकोर्ट के डर से शिक्षा सचिव छुट्टी पर चले गए

हाईकोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि बड़े स्कूल वालों को बचाने के लिए कमेटी बनाते हैं और दो दिनों में शपथ पत्र दे देते हैं, गरीब बच्चों के लिए ऐसा नहीं किया जाता। मामले में चीफ जस्टिस ने 13 अगस्त को शिक्षा सचिव को नया शपथ पत्र देने के निर्देश ▶▶|शेष पेज 6 पर

कोर्ट ने की कड़ी टिप्पणियां

हाईकोर्ट ने तल्ख लहजे में टिप्पणी करते हुए कहा, कि "गली-गली में मर्सडीज में घूमने वाले लोग स्कूल खोल रहे हैं, जिनके पास न तो मान्यता है और न ही बुनियादी सुविधाएं। यह शिक्षा के अधिकार कानून की सीधी अवहेलना है।" कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में बच्चों को 5-5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

हाईकोर्ट ने सरकार को फटकारा

हाईकोर्ट ने सरकार और शिक्षा सचिव को फटकार लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार 13 अगस्त तक शपथपत्र के साथ स्थिति स्पष्ट करे। इसमें उन स्कूलों की सूची प्रस्तुत की जाए जो बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही यह भी बताया जाए कि अब तक इन स्कूलों के खिलाफ कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं और भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों को रोकने के लिए सरकार की नीति और कार्ययोजना क्या होगी।

नर्सरी स्कूलों की मान्यता का प्रावधान नहीं

मंगलवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता विकास तिवारी की तरफ से एडवोकेट संदीप दुबे, मानस वाजपेयी और प्रगति कौशिक ने तर्क पेश किया। हाईकोर्ट ने 30 जून को लोक शिक्षण संचालनालय को व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। 11 जुलाई को शपथपत्र पेश कर बताया गया कि नर्सरी से केजी-2 तक संचालित स्कूलों को मान्यता लेना अनिवार्य नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता की तरफ से आपत्ति दर्ज करते हुए बताया कि, साल 2013 में राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार नर्सरी से केजी-2 तक की कक्षाएं संचालित करने वाले सभी गैर शासकीय स्कूलों को मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

राम रहीम को 40 दिन की पैरोल

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल कारावास की सजा काट रहा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह 40 दिन की पैरोल मिलने के बाद हरियाणा में रोहतक स्थित सुनारिया जेल से मंगलवार को बाहर आ गया। गुरमीत सिंह पैरोल के दौरान सिरसा स्थित अपने डेरा मुख्यालय में रहेगा।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर तेंदुए की मौत

कोलकाता। प.बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक तेंदुए की मौत हो गई है। मदारीहाट इलाके में हुई जब एशियन राजमार्ग पार करते समय एक तेज रफ्तार वाहन ने तेंदुए को टक्कर मार दी। सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और तेंदुए का शव बरामद किया। स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।

नो फ्लाई लिस्ट में 48 हवाई यात्री

नई दिल्ली। सरकार ने राज्यसभा को सूचित किया कि इस वर्ष 30 जुलाई तक कुल 48 हवाई यात्रियों को नो-फ्लाई लिस्ट में डाला गया है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। अनुशासनहीन व्यवहार करने वाले यात्रियों पर उड़ान प्रतिबंध की अवधि तय की जाती है।

मोबाइल फोन बेचने के नाम पर करोड़ों की ठगी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-39 थाने में एक व्यक्ति ने एक कंपनी के 10 हजार मोबाइल फोन खरीदने के लिए हुए सौदे में दो लोगों पर उससे करोड़ों रुपए की ठगी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-39 थाने के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को गौरव वेद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मोबाइल फोन की खरीद-फरोख्त का देश-विदेश में काम करता है।

कुलगाम में आतंकवाद विरोधी अभियान पांचवें दिन भी जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद विरोधी अभियान मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा तथा सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में शामिल आतंकवादियों पर अपना शिकंजा कस दिया है। अधिकारियों ने अखल इलाके में कड़ी घेराबंदी के बाद मंगलवार को कुछ ग्रामीणों को वहां से निकाला, जिन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत थी।

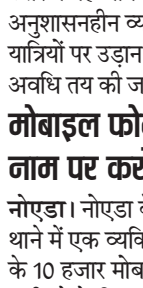

एनडीए की बैठक में 'हर हर महादेव' के नारों के बीच मोदी का सम्मान

पीएम मोदी ने कहा- विपक्ष सोच रहा होगा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग कर गलती की?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

एनडीए संसदीय दल की बैठक में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान किया गया। 'हर हर महादेव' के नारों के बीच पीएम मोदी का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, विपक्ष सोच रहा होगा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग करके उसने कोई गलती की है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधनके सांसदों को करीब एक साल बाद संबोधित किया। उन्होंने एक स्वाभाविक और जैविक गठबंधन के रूप में सामूहिक पहचान स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 1998 में राजग की स्थापना के बाद से इसकी यात्रा सफलताओं से भरी हुई है तथा इसमें और भी कई उपलब्धियां हैं। सांसदों को अपने संबोधन में पीएम ने कहा, संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग करके विपक्ष ने गलती की। इसमें उनकी ही फजीहत हुई। विपक्ष अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में माहिर है। विपक्ष रोज ऐसी चर्चा कराए, हम इस फील्ड में माहिर हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'बिहार में वोटर्स लिस्ट रिविजन के मुद्दे पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। देश की जनता सब देख रही है। पीएम ने अमित शाह की भी तारीफ की और कहा कि वे अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री हैं।

मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों के सदस्यों को सत्तारूढ़ गठबंधन के हिस्से के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी-अपनी ताकत से परे जाकर विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। राजग के संसदीय दल की पिछली बैठक दो जुलाई, 2024 को हुई थी। करीब एक साल के अंतराल पर मंगलवार को हुई राजग संसदीय दल की बैठक में मोदी को ▶▶|शेष पेज 6 पर

- ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता पर अभिनंदन
- प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और शाह की प्रशंसा की

राहुल पर साधा निशाना : मोदी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। इससे एक दिन पहले ही पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को उच्चतम न्यायालय द्वारा इस दावे के लिए फटकार लगाई गई थी कि मौजूदा सरकार में चीन भारतीय भूमि पर अतिक्रमण कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी भारत की जमीन और सुरक्षा के बारे में बचकानी और निराधार टिप्पणियां करते हैं।

5 अगस्त को बताया ऐतिहासिक : मोदी ने कहा कि पांच अगस्त एक ऐतिहासिक दिन था, क्योंकि 2019 में इसी दिन पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष अधिकार देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था। 2020 में इसी दिन अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन भी हुआ था। उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने संविधान का सही अर्थों में पालन किया है।

मानसून सत्र के बाद एनडीए सांसदों की पहली बैठक पीएम मोदी संसदीय दल की बैठक में नए सांसदों से भी मिले। बैठक में भाजपा और उसके सभी सहयोगी दलों के सभी सांसदों का शामिल होना अनिवार्य था। सांसदों को एनडीए सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर, '11 साल,11 बड़े फैसले' शीर्षक वाली किताब दी गई। 21 जुलाई से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान एनडीए सांसदों की यह पहली बैठक थी। वहीं, जून 2024 में केंद्र में तीसरी बार वापसी के बाद किसी संसद सत्र के दौरान एनडीए सांसदों की यह दूसरी बैठक थी।

पहलगाम में जान गंवाने वालों को दी श्रद्धांजलि

राजग ने प्रस्ताव पास किया। इसमें 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तान से संबद्ध आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में जान गंवाने वाले 26 नागरिकों को श्रद्धांजलि दी। प्रस्ताव में मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा गया, राजग संसदीय दल इस कठिन समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदर्शित असाधारण नेतृत्व की सराहना करता है। उनके अटूट संकल्प, दूरदर्शी राजनेता और दृढ़ नेतृत्व ने न केवल राष्ट्र को उद्देश्यपूर्ण दिशा दी है, बल्कि सभी भारतीयों के दिलों में एकता और गौरव की नई भावना भी प्रज्ज्वलित की है। इसमें कहा गया है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि विभिन्न दलों के 59 सांसद 32 देशों का दौरा करें और वहां भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करें। यह भारत द्वारा आतंकवाद से पीड़ित होने के बारे में बताने के लिए शुरू किया गया अब तक का सबसे व्यापक वैश्विक अभियान है। प्रस्ताव में कहा गया, यह घटनाक्रम वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दर्शाता है। इसमें कहा गया कि पिछले 11 वर्षों में राजग सरकार विकसित भारत के निर्माण के लिए अथक प्रयास कर रही है, जो मजबूत, विकसित और शांतिपूर्ण हो, और आने वाले समय में ये प्रयास और भी अधिक जोश के साथ जारी रहेंगे।

नहीं रहे पूर्व राज्यपाल मलिक, दिल्ली में ली अंतिम सांस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लंबी बीमारी के बाद अस्पताल में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। मलिक के निजी स्टाफ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उनका अंतिम संस्कार बुधवार अपराह्न चार बजे लोदी रोड स्थित श्मशान घाट में होगा। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहने के अलावा गोवा, बिहार, मेघालय और ओडिशा के राज्यपाल के पदों पर रहे मलिक का अपराह्न एक बजकर 12 मिनट पर यहां आरएमएल अस्पताल में निधन हो गया। उनके स्टाफ ने बताया कि वह लंबे समय से अस्पताल की आईसीयू में थे और उनका विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जा रहा था।

- आज होगा अंतिम संस्कार

जम्मू-कश्मीर 5 अगस्त को ही हुआ था विभाजित

जम्मू कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर मलिक के कार्यकाल के दौरान ही पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। संयोग से, उन्होंने केंद्र के इस कदम के छह साल पूरे होने के दिन अंतिम सांस ली।

पांच दशक का राजनीतिक करियर अनुभवी नेता सत्यपाल मलिक का पांच दशक लंबा राजनीतिक करियर कई राजनीतिक दलों से गुजरा और वह इस दौरान कई उच्च-स्तरीय संवैधानिक पदों पर भी रहे जिसके बाद वह उसी सत्ता प्रतिष्ठान के मुखर आलोचक बन गए जिसकी उन्होंने सेवा की थी। उन्होंने चार राज्यों - बिहार (2017), जम्मू और कश्मीर (2018), गोवा (2019) और मेघालय (2020) के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। लेकिन उनका सबसे प्रभावशाली कार्यकाल अगस्त 2018 में शुरू हुआ, जब उन्हें जम्मू और कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया।

जांच, छापे और अब सवालों से सामना

17,000 करोड़ की धोखाधड़ी ईडी के समक्ष पेश हुए अंबानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी अपने समूह की कंपनियों के खिलाफ करीब 17,000 करोड़ रुपए के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामलों से जुड़े धन शोधन के एक मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश हुए। अंबानी पूर्वाह्न करीब 10 बजकर 50 मिनट पर मध्य दिल्ली स्थित केंद्रीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि निदेशालय 66 वर्षीय व्यवसायी का बयान धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज कर रहा है। ईडी ने बड़े बैंक 'धोखाधड़ी' मामलों में मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार अंबानी के खिलाफ एक 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया है। साथ ही, इस जांच के तहत उनके समूह के कुछ अधिकारियों को भी इस सप्ताह पूछताछ के लिए तलब किया गया है।

पहला आरोप 3000 करोड़ का

पहला आरोप 2017 और 2019 के बीच येस बैंक द्वारा अंबानी समूह की कंपनियों को दिए गए लगभग 3,000 करोड़ रुपए के 'अवैध' ऋण के गलत इस्तेमाल से संबंधित है। सूत्रों ने बताया कि ईडी को संदेह है कि ऋण दिए जाने से ठीक पहले येस बैंक के प्रवर्तकों ने अपनी कंपनियों में धन 'प्राप्त' किया था। एजेंसी 'रिश्वत' और ऋण के इस गठजोड़ की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि ईडी इन कंपनियों को येस बैंक द्वारा ऋण स्वीकृतियों में 'घोर उल्लंघनों' के आरोपों की भी जांच कर रहा है, जिसमें बैंक की ऋण नीति का उल्लंघन करते हुए पिछली तारीख के ऋण अनुमोदन ज्ञापन और बिना किसी उचित जांच/ऋण विश्लेषण के प्रस्तावित निवेश जैसे आरोप शामिल हैं। कथित तौर पर इन ऋणों को संबंधित संस्थाओं द्वारा कई समूह कंपनियों और 'शेल' (मुखौटा) कंपनियों में भेजा गया।

जनता के धन के हेरफेर का आरोप सूत्रों ने कहा कि ये रिपोर्ट संकेत देती हैं कि यह बैंकों, शेयरधारकों, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को धोखा देकर जनता के धन का हेरफेर करने या गबन करने की एक 'सुनियोजित और सोची-समझी साजिश' थी। सेबी की एक रिपोर्ट के आधार पर ईडी जिस दूसरे आरोप की जांच कर रही है, उसके अनुसार आर इंफ्रा ने सीएलई नामक एक कंपनी के माध्यम से रिलायंस समूह की कंपनियों में अंतर-कॉरपोरेट जमा (आईसीडी) के रूप में गुप्त धनराशि का हेरफेर किया। आरोप है कि आर इंफ्रा ने शेयरधारकों और ऑडिट समिति से अनुमोदन से बचने के लिए सीएलई को अपनी 'संबंधित पार्टी' के रूप में नहीं दर्शाया।

कांवड़ यात्रा की थी तैयारी

कुबेरेश्वर धाम में भगदड़ दो महिलाओं की मौत

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबरेश्वर धाम में मंगलवार को भीड़ बढ़ने के बाद हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई जब कांवड़ यात्रा में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए थे। कुबरेश्वर धाम प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से जुड़ा हुआ है।

साल 2023 में भी मची थी भगदड़

कुबेरेश्वर धाम में भगदड़ का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 16 फरवरी साल 2023 में रुद्राक्ष वितरण के दौरान भगदड़ मची थी। तब एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि 4 लोग लापता हुए थे। इसके बाद दूसरे दिन 17 फरवरी को एक 3 साल के बच्चे की मौत हो गई थी।

पत्नी और बेटे के हत्यारे को दोहरा आजीवन कारावास

- अंतिम संस्कार में नहीं पहुंचा, हाईकोर्ट ने इसे हत्या का साक्ष्य माना
- अनुपस्थिति का स्पष्टीकरण नहीं दे पाया, सजा के खिलाफ अपील खारिज

बिलासपुर। आर्थिक परेशानी के कारण पत्नी व 8 वर्ष के बेटे की निर्मम हत्या कर घर में ताला लगाकर आरोपी भाग गया। वह दोनों के अंतिम संस्कार में भी उपस्थित नहीं हुआ। इसे हाईकोर्ट ने हत्या का साक्ष्य माना व आरोपी को दोहरे हत्याकांड में सजा सुनाई। हाईकोर्ट ▶▶|शेष पेज 6 पर

बयानों में महत्वपूर्ण चूक और विरोधाभास

अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयानों में महत्वपूर्ण चूक और विरोधाभास हैं। प्रत्यक्षवादी के अनुसार, अपराध स्थल से एक पत्र जब्त किया गया था जिसमें आरोपी ने वित्तीय कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए खुद ▶▶|शेष पेज 6 पर

अचानक होकर गिरा

डीजे पर नाचते वक्त युवक को आया हार्ट अटैक, मौत

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर शहर में एक जयंती जुलूस के दौरान डीजे पर नाच रहे युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान 25 वर्षीय अभिषेक बिराजदार के रूप में हुई है। यह घटना शहर के फौजदार चावड़ी थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के अनुसार अभिषेक अपने दोस्तों के साथ डीजे पर नाच रहा था। कुछ देर तक तेज आवाज में बज रहे डीजे पर जोश में नाचने के बाद वह एक कोने में जाकर खड़ा हो गया।

तेज आवाज वाले डीजे पर फिर सवाल

इस हादसे के बाद तेज आवाज वाले डीजे पर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। पहले से ही डीजे पर समय और ध्वनि सीमा को लेकर पाबंदियां हैं, लेकिन कई समारोहों में इन नियमों की खुलेआम अनदेखी होती है। अब अभिषेक की मौत ने इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है।

भारत-रूस की दोस्ती से चिढ़े अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर दी धमकी

24 घंटे में भारत पर शुल्क में करेंगे भारी बढ़ोतरी: ट्रंप

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और वह अगले 24 घंटों में इस दक्षिण एशियाई देश पर शुल्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे। ट्रंप ने 'सीएनबीसी स्क्वॉक बॉक्स' को दिए साक्षात्कार में कहा, भारत के बारे में लोग जो कहना पसंद नहीं करते, वह यह है कि वह सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाला देश है। उसका शुल्क किसी भी देश से ज्यादा है। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं क्योंकि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। उन्होंने कहा, भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है। वह ▶▶|शेष पेज 6 पर

नहीं टूटेगी भारत-रूस की दोस्ती

वर्ष 2013 में जिस तरह से व्यवहार भारतीय राजनयिकों से अमेरिका में किया गया, अमेरिकी राजनयिकों के साथ वैसा ही व्यवहार भारत ने किया। रूस के साथ कारोबार करने के अमेरिकी दबाव पर भी भारत झुकने नहीं जा रहा है। इस साल के अंत तक रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के भारत आने की तैयारी की जा रही है। हर साल भारत और रूस के बीच शिखर वार्ता होती है।

टैरिफ धमकी पर घर में ही घिरे ट्रंप

अमेरिका की पूर्व राजदूत और साउथ कैरोलाइना की गवर्नर रह चुकी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने ट्रंप के इस कदम को आड़े हाथों लिया। उन्होंने राष्ट्रपति को भारत के साथ रिश्ते ना बिगाड़ने की सलाह दी। कहा कि चीन और भारत के साथ एक जैसा बर्ताव नहीं करना चाहिए। भारतीय मूल की नेता निक्की हेली ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, लेकिन चीन, जो हमारा दुश्मन है और रूस और ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, उसे 90 दिन की टैरिफ छूट मिल गई।

अमेरिका में प्रवेश के लिए देना होगा 15,000 डॉलर का बांड

न्यूयॉर्क। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक प्रायोगिक कार्यक्रम लागू कर रहा है, जिसके तहत पर्यटक या व्यावसायिक वीजा पर अमेरिका आने वाले विदेशी आगंतुकों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का 'बांड' भरना पड़ेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपनी वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी देश में न रुकें। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक 'अस्थायी अंतिम नियम' जारी किया है, जिसके तहत 12 महीने का वीजा बांड प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। व्यवसाय या पर्यटन के वास्ते अमेरिका आने के लिए बी-1/बी-2 वीजा का आवेदन करने वाले विदेशियों को 15,000 अमेरिकी डॉलर तक का बांड भरना पड़ सकता है।

चिंतन

यूएस खुद रूस से कर रहा ट्रेड, अपने हित देखे भारत

भारत को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों व चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। इसका कारण है कि एक तो खुद अमेरिका दोहरा मानदंड अपना रहा है, दूसरा भारत को अपने राष्ट्रीय हित की रक्षा करने का हक है। भारतीय निर्यात पर ट्रंप जितना भी शुल्क लगाए, उसका अमेरिकी जनता को ही खामियाजा भुगतना होगा। फौरी तौर पर हो सकता है कि भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में कमी आए, लेकिन इससे भारत को विचलित होने की जरूरत नहीं है। इसे भारत को एक अवसर के रूप में लेना चाहिए और भारतीय निर्यातकों को वैकल्पिक बाजार की ओर रुख करना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को चेतावनी दी है कि चूंकि भारत रूस से तेल खरीद रहा है, इसलिए इस दक्षिण एशियाई देश पर अगले 24 घंटों में भारी नया टैरिफ आयद किया जाएगा। ट्रंप ने पिछले हफ्ते ही भारत से आयातित उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी व रूस से तेल एवं गैस खरीदने की वजह से भारत पर अलग से जुर्माना लगाने की बात भी कही थी। भारत ने आंकड़ों के जरिये अमेरिका और यूरोप को आईना दिखाया है कि अमेरिका खुद रूस के साथ व्यापार कर रहा है व भारत-रूस व्यापार पर उंगली उठा रहा है। पिछले साल कड़े प्रतिबंधों और टैरिफ के बावजूद, अमेरिका ने रूस के साथ लगभग 3.5 अरब डॉलर का व्यापार किया था। अमेरिका अब भी रूस से अपने परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक गाड़ियों की इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और कच्चे रसायन आयात करता है। यूक्रेन ये युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से इसलिए तेल का आयात शुरू किया था, ताकि वैश्विक आपूर्ति तंत्र बना रहे व कीमतों को नियंत्रित रखा जा सके। तब खुद अमेरिका ने भारत के इस कदम का स्वागत किया था। खुद अमेरिका व यूरोप यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, वे वास्तव में युद्ध का अंत चाहते हैं तो यूक्रेन को हथियारों की मदद बंद कर दें। यूरोपीय संघ ने वर्ष 2024 में रूस के साथ 67.5 अरब यूरो मूल्य का वस्तु व्यापार किया। यह भारत के रूस के साथ उस वर्ष अथवा उसके बाद के कुल व्यापार से कहीं अधिक है। 2024 में यूरोप द्वारा रूस से एलएनजी का आयात 1.65 करोड़ टन तक पहुंच गया, जो 2022 में बने 1.521 करोड़ टन के पिछले रिकॉर्ड को भी पार कर गया। अमेरिका व यूरोप के दोहरे रवैये को देखते हुए अमेरिका का भारत को निशाना बनाना अनुचित और तर्कहीन है। किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत भी अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता है। ट्रंप की इस नई चेतावनी के बाद रूस ने भारत का समर्थन करते हुए जवाब दिया है कि 'किसी भी देश को रूस के साथ व्यापार बंद करने के लिए मजबूर करना अवैध है। संप्रभु देशों को अपने व्यापार और आर्थिक सहयोग के लिए साझेदारों को चुनने का अधिकार है। भारतीय सेना ने भी अमेरिका को वर्ष 1971 की याद दिलाते हुए उसका असली चेहरा दिखाया है कि कैसे अमेरिका व चीन ने भारत से युद्ध में पाकिस्तान की मदद की थी। अभी टैरिफ दर में, आईएमएफ से लोन दिलाने में व ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका ने अपनी पाकपरस्ती दिखाई है। इसलिए भारत को अमेरिका के असली चेहरे को पहचानते हुए अपने राष्ट्रीय हित में कदम उठाना चाहिए और ट्रंप को जैसे को तैसा की तर्ज पर जवाब देना चाहिए। भारत व अमेरिका का संबंध ट्रेड के इर्द-गिर्द ही रहा है, इसमें दोस्ती जैसी कोई बात नहीं है।

श्रद्धांजलि

ओंकारेश्वर पांडे

दिशोम गुरु से गुरुजी का कठिन सफर

> अलग झारखंड का सपना उठाने वाले कई थे, पर उसे सच करने वाला सिर्फ एक नाम था दिशोम गुरु। लोग कहते हैं, "गुरुजी सिर्फ नेता नहीं थे, आंदोलन की आत्मा थे।" उनके समर्थकों के लिए वे एक विचार थे, एक प्रतिरोध की पहचान। भारतीय राजनीति में झारखंड आंदोलन दरअसल आदिवासी पहचान की वह कहानी है, जिसे दिशोम गुरु ने खून-पसीने से लिखा। "गुरुजी का भरोसा सिर्फ लिखित वादों पर था, शब्दों से नहीं।" उन्होंने कसम खाई "जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ी जाएगी।" सवाल है कि क्या यह नारा सिर्फ झारखंड तक सीमित रहेगा या पिता की राह पर चलते हुए हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा को आदिवासी मुक्ति मोर्चा के रूप में स्थापित कर पाएंगे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन चले गए। 10 बार सांसद, 3 बार मुख्यमंत्री, और उससे भी बढ़कर, वो शख्स जिसने तीर-कमान से नहीं, बल्कि संघर्ष और अपनी सियासी चालों से बिहार के आदिवासियों को उनका हक दिलाया। अलग झारखंड का सपना उठाने वाले कई थे, पर उसे सच करने वाला सिर्फ एक नाम था दिशोम गुरु। लोग कहते हैं, "गुरुजी सिर्फ नेता नहीं थे, आंदोलन की आत्मा थे।" उनके समर्थकों के लिए वे एक विचार थे, एक प्रतिरोध की पहचान। भारतीय राजनीति में झारखंड आंदोलन दरअसल आदिवासी पहचान की वह कहानी है, जिसे दिशोम गुरु ने खून-पसीने से लिखा। 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में जन्मे शिबू सोरेन ने बचपन में साहूकारों की लूट देखी, खनन कंपनियों का लालच देखा। 1969 का अकाल, जब सरकारी गोदामों में अनाज सड़ रहा था और आदिवासी भूख से मर रहे थे, ने उनके भीतर ज्वाला भर दी। उन्होंने कसम खाई "जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ी जाएगी।"

नेमरा (रामगढ़) की गलियों से उठी उनकी आवाज़ ने 1960–70 के दशक में आवाम को झकझोरा। जब धनकटनी आंदोलन शुरू हुआ, तब आदिवासी महिलाएं खेतों से धान काटकर ले जाती थीं, पुरुष तीर-कमान लिए पहरे पर खड़े रहते थे। पर सिस्टम भी था, सरेंडर, गिरफ्तारी, गिरफ्तारी वारंट तक जारी। उनकी शुरुआत छोटी थी, पर असर बड़ा। धान जब्ती आंदोलन से शिबू सुर्खियों में आए। साहूकारों के गोदामों से अनाज निकालना, तीर-कमान लिए आदिवासी पहरेदारों का पहरा, यह केवल विरोध नहीं था, यह सिस्टम को सीधी चुनौती थी। एक दिन शिबू सोरेन पारसनाथ के जंगलों में छिप गए, वहीं से आंदोलन चला "बाहरी" लोगों को निकालो, "झारखंड को शोषण से मुक्त करो" सपनों के इस आंदोलन ने उन्हें 'दिशोम गुरु' की पहचान दी। 1973 में उन्होंने ए.के. रॉय और बिनोद बिहारी महतो के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा बनाई। उस समय उनके नारे गूंजते थे "हमारी जमीन हमारी है, कोई दीकु (बाहरी) नहीं छीन सकता।" इसके साथ ही झारखंड आंदोलन तेज होने लगा। उस समय जेएमएम का बनना कोई आसान बात नहीं थी, राजनीतिक विरोध, विभाजन और मानसिक खींचतान के बीच उन्होंने पार्टी को जीवंत रखा। तब लालू यादव ने 1998 में कहा था, "झारखंड मेरी लाश पर ही बनेगा,"। लेकिन शिबू सोरेन ने सभी विरोधों को पार करते हुए, कांग्रेस, आरजेडी और बीजेपी से गठबंधन बनाया और बातचीत से राज्य का मामला संसद तक पहुंचाया। शिबू सोरेन ने समझ लिया था कि झारखंड का सपना सिर्फ जंगलों में धरना देकर पूरा नहीं होगा, इसके लिए दिल्ली की सत्ता के दरवाजे खोलने होंगे। और यही उन्होंने किया। 1989 में वी.पी. सिंह की सरकार को समर्थन, 1993 में नरसिम्हा राव को अविश्वास मत से बचाना, फिर 1999 में वाजपेयी की एनडीए सरकार से डील, शिबू हर बार सही मोड़ पर सही दांव खेलते रहे। कहते हैं, "गुरुजी का भरोसा सिर्फ लिखित वादों पर था, शब्दों पर नहीं।" और हुआ भी वही। 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर झारखंड बना। जयपाल सिंह मुंडा ने आंदोलन की शुरुआत की थी, लेकिन उसे मंज़िल तक पहुंचाने वाला नाम था शिबू सोरेन। शिबू सोरेन की राजनीति का मूल था आदिवासी पहचान और जल-

जंगल-जमीन की रक्षा। उन्होंने सरहुल जैसे त्योहारों को विरोध का मंच बनाया। खदान मजदूरों को संगठित किया और खनन कंपनियों की नाक में दम किया। उनकी पहल पर पेसा कानून आया, जिसने ग्राम सभाओं को जमीन पर फैसला लेने का अधिकार दिया। 2006 का वन अधिकार कानून भी उनकी जिद का नतीजा था। झारखंड से अरबों का कोयला और लौह अयस्क दिल्ली तक गया, पर गांवों तक सिर्फ गरीबी पहुंची। यही विडंबना है राज्य तो बना, पहचान मिली, पर आर्थिक न्याय अब भी अधूरा है। झारखंड देश के सबसे समृद्ध खनिज राज्यों में है। कोयले, लौह अयस्क और अन्य खनिजों से केंद्र को सालाना 40-45 हजार करोड़ से ज्यादा का हिस्सा मिलता है, जबकि राज्य को खुद के टैक्स से करीब 34 हजार करोड़ की आमदनी होती है।

आसान शब्दों में खनिज निकलता है झारखंड से, फायदा जाता है दिल्ली को। यही सबसे बड़ी लड़ाई रही है। और यह लड़ाई आज भी जारी है। दिशोम गुरु का सफर सियासत और मुकदमों की सफेद-स्याह परछाइयों और विवादों से भरा रहा। 1975 में 'बाहरी-विरोधी अभियान', जिसमें 11 मौतें हुईं, उन पर हत्या का आरोप लगा। 1993 के अविश्वास मत में रिश्वत का आरोप, 1994 में उनके निजी सचिव शशिनाथ झा की हत्या का मामला 2006 में सजा हुई, फिर 2007 में बरी हुए। फिर भी जनता ने उनका साथ नहीं छोड़ा। जेल से निकलकर भी चुनाव जीते। तीन बार मुख्यमंत्री बने। दस बार सांसद रहे। पार्टी के एक नेता कहते हैं "एक आदिवासी जब खड़ा होता है, तो उसे राजनीति में फंसाया भी जाता है। हेमंत सोरेन को भी जेल में डाला गया। पर क्या साबित हुआ? जनता अब इन चालों को अच्छी तरह समझने लगी है।" शिबू सोरेन के उपर मुकदमे, सज़ा और विवादों का बोझ था, पर जनता ने उनका साथ नहीं छोड़ा। उनके योगदान को लोग याद करते हैं, उन्होंने झारखंड का सपना रखा, आदिवासी पहचान को राष्ट्रीय विमर्श में रखा, और सबसे बड़ी बात कारपोरेट पावर को चुनौती दी। आज के दौर में विकास की जो रफ़्तार है, वह आर्थिक अधिकारों के सवाल को और गहरा कर देती है, क्या राज्य की खनिज संपदा उसी जनता को लाभान्वित कर पाएगी जिसने इसे जन्म दिया? गुरुजी चले गए, पर सवाल वहीं हैं। शिबू सोरेन ने कभी बीजेपी का समर्थन किया, फिर आरजेडी से हाथ मेला, कभी कांग्रेस से तालमेल किया—हर कदम पर साबित किया कि राजनीतिक दृढ़ता और पहचान की चुनौतियाँ गठबंधन नीति से होकर गुजरती हैं।

"गुरुजी का भरोसा सिर्फ लिखित वादों पर था, शब्दों से नहीं।" भाषणों की नहीं, जमीन की राजनीति की गई। यह उन्हें अलग बनाता है। शिबू सोरेन ने झारखंड का सपना देखा, उसे संसद में गूँजाया, और आखिरकार राज्य के रूप में राजनीतिक हक की लड़ाई जीत ली। "इतिहास उन्हें सिर्फ नेता नहीं, बगावत और पहचान का प्रतीक लिखेगा..." लेकिन गरीबी, बेरोजगारी, और आर्थिक आत्मनिर्भरता का संघर्ष जारी है। हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री हैं। यह भरोसा सिर्फ बेटे पर नहीं, बल्कि उस इतिहास पर है जो शिबू सोरेन ने लिखा। हेमंत कहते हैं "विकास जरूरी है, पर वह हमारी पहचान को मिटाए नहीं।" आदिवासियों को राजनीतिक हक मिला, पर आर्थिक हक का सवाल अब भी अधूरा है। यही वह लड़ाई है जो आज हेमंत को लड़नी है। क्या हेमंत वह कर पाएंगे जो गुरुजी के दौर में अधूरा रह गया? जमीनी राजनीति की बिसात पर सतर्कता और सफलता से चल रहे हेमंत सोरेन के सामने उनका नारा "जल, जंगल, जमीन" अब भी गूँजता है। सवाल है कि क्या यह नारा सिर्फ झारखंड तक सीमित रहेगा या पिता की राह पर चलते हुए हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा को आदिवासी मुक्ति मोर्चा के रूप में स्थापित कर पाएंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

प्लास्टिक संधि

राज कुमार सिन्हा

प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति के लिए विश्व की उम्मीदें

स्विट्जरलैंड के जेनेवा में 5 से 14 अगस्त तक प्लास्टिक संधि के लिए अन्तरराष्ट्रीय वार्ता समिति के प्रतिनिधिमंडल अंतिम बैठक के लिए एकत्रित हुए हैं। जहां प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से बंधनकारी (आईएलबीआई) समझौता पर अंतिम दौर की बातचीत होगी। इसके पहले मई 2022 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा ने समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण पर एक अंतरराष्ट्रीय, कानूनी रूप से बाध्यकारी उपाय विकसित करने के लिए प्रस्ताव पारित किया था। तब से अब तक पांच दौर की बातचीत पूर्ण हो चुकी है। अंतिम दौर की बातचीत अगस्त में होने जा रही है, जिसमें मुख्यतः प्लास्टिक उत्पादों के पूरे जीवन काल में प्राथमिक पॉलिमर उत्पादन से लेकर निपटान तक को ध्यान में रखें जाने की बात होगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, प्लास्टिक की मांग सन् 2000 के बाद से लगभग दोगुनी हो गई है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, 2022 में फीडस्टॉक सहित 436.66 मिलियन टन पॉलिमर और प्लास्टिक का व्यापार हुआ, जिसमें अंतिम प्लास्टिक उत्पादों की मात्रा 111 मिलियन टन थी। आज, 99 फीसदी प्लास्टिक जीवाश्म ईंधन से बनता है। जीवाश्म ईंधनों को परिष्कृत करके मोनोमर्स (निर्माण खंड) और फिर पॉलिमर में संसाधित किया जाता है और उत्पादन के विभिन्न चरणों में मध्यवर्ती पदार्थ और रसायन (अध्ययनों से पता चलता है कि 16,000 से अधिक रसायनों का उपयोग किया जाता है) मिलाए जाते हैं। प्लास्टिक को विनियमित करने का अर्थ अनिवार्य रूप से इन पेट्रोरसायनों को विनियमित करना होगा। प्लास्टिक उत्पादन और उपभोग को विनियमित करने के लिए, इन निर्माण खंडों, जिनमें इनका व्यापार भी शामिल है, पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है। विश्व भर के 600 से अधिक नागरिक समाज समूहों ने प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक मजबूत संधि की मांग करते हुए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें प्लास्टिक उत्पादन में महत्वपूर्ण कटौती पर जोर दिया गया है। घोषणापत्र में कहा गया है कि जलवायु, जैव विविधता, मानव स्वास्थ्य, मानवाधिकारों और ग्रह की जीवन को सहारा देने और बनाए रखने की क्षमता पर हानिकारक प्रभाव डालता है। नागरिक समूहों ने वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन में उल्लेखनीय कमी सुनिश्चित करने के लिए संधि की माँग की है। प्लास्टिक के जीवनचक्र में हानिकारक रसायनों के उन्मूलन, प्लास्टिक संबंधी जानकारी में पारदर्शिता, कार्यान्वयन के लिए स्पष्ट और पर्याप्त वित्तीय प्रतिबद्धताएं और तंत्र, प्रभावित समुदायों के लिए न्यायोचित परिवर्तन, झूठे समाधानों द्वारा जारी अपशिष्ट उपनिवेशवाद और पर्यावरणीय नस्लवाद का अंत, पुनः उपयोग और पुनः भरने की प्रणालियों को प्राथमिकता देने और मानव अधिकारों के संरक्षण का भी आह्वान किया है। कहा गया है कि प्लास्टिक और खतरनाक अपशिष्ट के उत्पादन में प्रयुक्त खतरनाक रसायनों पर बासेल, रॉटरडैम और स्टॉकहोम द्वारा नियंत्रण किया जाता है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा शासित होता है, और प्रस्तावित आईएलबीआई के प्रावधान डब्ल्यूटीओ समझौतों के विपरीत होंगे। इससे विकासशील देश और वे देश जो पॉलिमर व्यापार पर निर्भर हैं, व्यापार पर अंकुश लगाने से प्रभावित होंगे।इधर पर्यावरण पर 20वें अफ्रीकी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एएमसीईएन-20) ने वैश्विक प्लास्टिक संधि का समर्थन करने की प्रतिबद्धता जताई है, तथा प्लास्टिक प्रदूषण पर अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी साधन विकसित करने के लिए अंतर-सरकारी वार्ता समिति के साथ महाद्वीप की सहभागिता की आवश्यकता की पुष्टि की है। 18 जुलाई को नैरोबी में संपन्न हुई इस बैठक में स्वीकार किया गया कि अफ्रीका अपनी प्राकृतिक पूंजी की रक्षा के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जिसमें विविध पारिस्थितिकी तंत्र, परिदृश्य, वायु, समृद्ध जैव विविधता से लेकर विशाल खनिज संपदा, मीठे पानी और समुद्री संसाधन शामिल हैं। इस कार्यक्रम में सदस्य देशों से पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 'संपूर्ण सरकार' और 'संपूर्ण समाज' के दृष्टिकोण को अपनाने तथा समुदायों, महिलाओं और युवाओं को शामिल करने और उन्हें सशक्त बनाने का आह्वान किया गया, ताकि पर्यावरणीय संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सके। भारत के नागरिक अपने प्रतिनिधिमंडल से आग्रह करते हैं कि इस होने वाले वार्ता में मानव स्वास्थ्य और अपस्ट्रीम समाधानों पर केंद्रित एक मजबूत वैश्विक प्लास्टिक संधि का समर्थन करें। जबकि प्लास्टिक पैकेजिंग, डिज़ाइन और सामग्री के उपयोग पर जीवनचक्र आकलन के आधार पर स्पष्ट लागू करने योग्य दिशानिर्देशों की तत्काल आवश्यकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

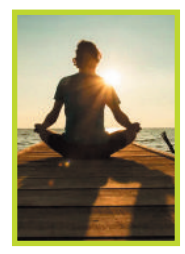

संकलित

दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

बिन बुलाए किसी के घर न जाए

संकलित

प्रेरणा

माता सती के पिता प्रजापति दक्ष शिव जी को पसंद नहीं करते थे, क्योंकि शिव जी ने ब्रह्मा जी का पांच में से एक सिर काट दिया था। अपने पिता ब्रह्मा जी के साथ हुई इस घटना की वजह से दक्ष शिव जी को अपमानित करने के अलग-अलग अवसर खोजते रहते थे। दक्ष की पुत्री सती ने भगवान शिव से विवाह कर लिया था और दक्ष इस विवाह को रोक नहीं सके। विवाह के कुछ समय बाद दक्ष ने एक यज्ञ का आयोजन किया और इस यज्ञ में सभी देवी-देवताओं को आमंत्रित किया, लेकिन शिव और सती को आमंत्रित नहीं किया। माता सती को नारद से मालूम हुआ कि उनके पिता दक्ष यज्ञ करवा रहे हैं। सती इस यज्ञ में जाने के लिए तैयार हो गईं। शिव जी ने देवी सती को समझाया कि बिना बुलाए हमें यज्ञ जैसे आयोजन में नहीं जाना चाहिए, लेकिन शिव जी के समझाने पर भी देवी नहीं मानीं और यज्ञ में चली गईं। जब सती यज्ञ स्थल पर पहुंची तो उन्होंने देखा कि यज्ञ में शिव जी के अतिरिक्त सभी देवी-देवता आए हुए हैं। सती ने पिता दक्ष से शिव जी को न बुलाने का कारण पूछा तो दक्ष ने शिव जी के लिए अपमानजनक बातें कहना शुरू कर दीं। शिव जी का अपमान सती सहन नहीं कर सकीं और उन्होंने हवन कुंड में कूदकर अपनी देह त्याग दी। जब ये बात शिव जी को मालूम हुई तो वे बहुत क्रोधित हो गए। शिव जी के क्रोध से वीरभद्र प्रकट हुए। इसके बाद शिव जी के कहने पर वीरभद्र ने यज्ञ स्थल को उजाड़ दिया और दक्ष का सिर काट दिया।

अंतर्मन

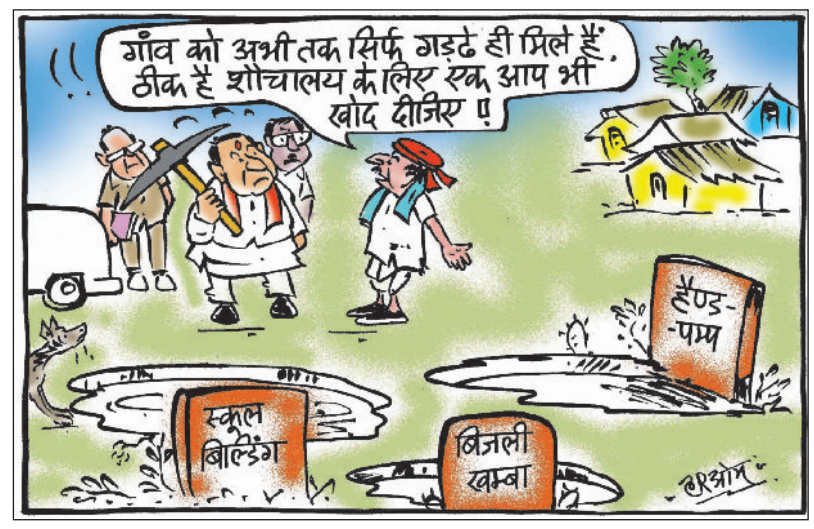

आज की पाती

कश्मीर से खत्म होगा आतंकवाद

आतंकवाद एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। तथ्य को नकारना रेत में सिर छिपाना ही होगा। जिस तरह सरकार ने 2026 तक माओवादियों को अल्टीमेटम दे दिया है, उसके भय से आत्म समर्पण की गति तेज हो गई है। सीमापार सरकार की ताकत जानते है। सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण घाटी में आतंकवादियों का आना कम हो गया है। कश्मीर में अमन है। जिस व्यक्ति के दिमाग पर कोई शक्ति हावी हो जाती है। सामान्य तर्क उसके सामने बेनामी होते है। पहले कश्मीर घाटी के युवाओं को पत्थरबाजी का जुनून सवार था। अब युवा कम्प्यूटर और इंटरनेट से जुड़ाव होने से मुख्यधारा में जुड़ चुके है। जुनून एक जीवन की पथरीली राहो पर ले जाता है और योग्यता वाला जुनून आदमी बनाने में अहम भूमिका बनाता है। पाकिस्तान की भूमिका डरावनी ही रही है। – *कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

बचाव कार्य

उत्तरकाशी में फ्लैश फ्लड की घटना को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात कर घटना की जानकारी ली। आईटीबीएस की 3 और एनडीआरएफ की 4 टीमों को घटनास्थल के लिए भेज दिया गया है, जो शीघ्र पहुँच कर बचाव कार्य में लगेंगी।

-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

गठबंधन में नहीं बसपा

बहुजन समाज पार्टी ना तो एनडीए गठबंधन के साथ है और ना ही कांग्रेस के इण्डिया समूह (गठबंधन) के साथ है, ना ही अन्य किसी के साथ है, बल्कि अपनी 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के अम्बेडकरवादी सिद्धान्त व नीति पर चलने वाली पार्टी है।

-मायावती,पूर्व सीएम, उप्र

धर्म विशेष के लोग

जो भी गैर-कानूनी हो उसके खिलाफ़ कार्रवाई हो क्योंकि अवैध तो अवैध होता फिर क्यों किसी जाति या धर्म विशेष के लोगों को टारगेट किया जा रहा है। हम इसके खिलाफ़ कोर्ट जाएंगे।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

मलिक का निधन दुखद

पूर्व राज्यपाल व किसान हितैषी नेता सत्यपाल मलिक के निधन का समाचार बेहद दुखद है। वे बेबाक़ी और निडरता से सत्ता को सच्चाई का आईना दिखाते रहे। शोकाकुल परिवारजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

- मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

करंट अफेयर

जापान में परमाणु बम पीड़ित फैला रहे लोगों में जागरूकता

हिरोशिमा और नागासाकी पर 80 साल पहले हुए परमाणु बम हमले में जीवित बचे लोगों ने बढ़ते परमाणु खतरों और वैश्विक नेताओं द्वारा परमाणु हथियारों को स्वीकार किए जाने पर चिंता जताई है। अमेरिका ने छह अगस्त, 1945 को हिरोशिमा पर और उसके तीन दिन बाद नागासाकी पर परमाणु बम से हमला किया था, जिससे उस वर्ष के अंत तक 2,00,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इस घातक हमले में कुछ लोग जीविच बच गए, लेकिन वे विकिरण संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हो गए। परमाणु बम हमले के लगभग एक लाख लोग अभी जीवित हैं। उनमें से कई लोगों ने खुद को और अपने परिवारों को आज तक जारी भेदभाव से बचाने के लिए अपने अनुभवों को छिपा रखा है जबकि कुछ लोग खुद के साथ हुई भयावह विभीषिका के चलते अपनी आपबीती नहीं बता पाए। कुछ जीवित बचे लोगों ने अपने जीवन काल के अंतिम दिनों में परमाणु बम हमले के खिलाफ इस उम्मीद के साथ बोलना शुरू किया है, कि उनकी आपबीती सुन कर शायद दूसरे लोग परमाणु हथियारों के खात्मे के लिए दबाव बना सकें। परमाणु बम हमले के पीड़ित 83 वर्षीय कुनिहिको आईडा अनेक स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद अपनी सेवानिवृत्ति के वर्षों में लोगों को अपनी पीड़ा बता रहे हैं।

ऑफ बीट

कुछ कपड़े धोने पर सिकुड़ जाते हैं ? कैसे रोका जाए

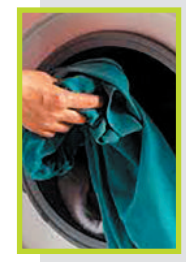

कपड़े आखिर क्यों सिकुड़ते हैं, यह जानने के लिए हमें पहले यह समझना होगा कि कपड़े बनते कैसे हैं। सूती और लिनन जैसे सामान्य रेशे पौधों से हासिल होते हैं। ये रेशे अपने प्राकृतिक स्वरूप में अनियमित आकार के और झुर्रीदार होते हैं। अगर आप इन रेशों के अंदर गहराई से देखेंगे, तो आपको लाखों छोटे, लंबी-शृंखला वाले सेल्यूलोज अणु नजर आएंगे, जो प्राकृतिक रूप से सर्पिल आकार में मौजूद होते हैं। कपड़ा बनाते समय इन रेशों को यांत्रिक रूप से खींचा और मोड़ा जाता है, ताकि ये सेल्यूलोज शृंखलाएं सीधी हो जाएं और कतार में आ जाएं। इस प्रक्रिया में चिकने, लंबे धागे बनते हैं। रासायनिक स्तर पर, ये शृंखलाएं 'हाइड्रोजन बॉन्ड' से जुड़ी होती हैं, जो रेशों और धागों को मजबूत एवं लचीला बनाते हैं। 'फाइबर मेमोरी' के कारण ही कुछ कपड़ों पर आसानी से सिलवटें पड़ जाती हैं, जबकि कुछ कपड़े धोने के बाद सिकुड़ भी जाते हैं। कपड़े धोने के दौरान, गर्म पानी रेशों के ऊर्जा स्तर को बढ़ाने में मदद करता है-यानी वे तेजी से हिलते हैं, जिससे उन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखने वाले 'हाइड्रोजन बॉन्ड' टूट जाते हैं। रेशों को जिस तरह से बुना या पिरोया जाता है, इसकी भी अहम भूमिका होती है। ढीले बुने हुए कपड़ों में धागों के बीच ज्यादा खुली जगह और लूप होते हैं, जो उन्हें न सिर्फ अधिक लचीला और सांस लेने योग्य बनाते हैं।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

गृहमंत्री के रूप में 2,258 दिन पूरे, शाह ने बनाया रिकॉर्ड

आडवाणी, सरदार पटेल और गोविंद बल्लभ पंत को छोड़ा पीछे

शाह 23 मई 2019 को बने थे देश के गृह मंत्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के मौजूदा गृह मंत्री अमित शाह ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी तारीफ की है। अमित शाह का ये रिकॉर्ड इतना खास है कि देश के पूर्व गृह मंत्री रहे लाल कृष्ण आडवाणी, सरदार वल्लभ भाई पटेल और गोविंद बल्लभ पंत भी पीछे छूट गए। दरअसल अमित शाह को देश के गृह मंत्री के तौर पर कार्य करते हुए सबसे ज्यादा दिन काम करने का मौका मिला है। उन्होंने गृहमंत्री के रूप में 2,258 दिन पूरे कर लिए हैं। दरअसल 5 अगस्त मंगलवार को एनडीए गठबंधन की संसदीय दल की बैठक हो रही थी। उसी दौरान पीएम मोदी ने अमित शाह की तारीफ करते हुए इस बात की जानकारी दी। शाह 23 मई 2019 को देश के गृह मंत्री बने थे। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में देश के गृह मंत्री रहे लाल कृष्ण आडवाणी 2,256 दिन अपने पद पर रहे। जबकि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 1,218 दिन तक इस पद पर कार्य किया।

कई महत्वपूर्ण विधेयकों को कराया था पास

प्रधानमंत्री मोदी के दूसरे कार्यकाल के समय से देश के गृह मंत्री बने शाह ने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। जिसमें 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 की समाप्ति की घोषणा सबसे प्रमुख मानी जाती है। इसके साथ ही इसी कार्यकाल में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पारित हुआ और यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) शुरुआत हुई। देश के पूर्व गृह मंत्री गोविंद बल्लभ पंत 6 साल 56 दिन तक ने कार्यभार संभाला।

यह उपलब्धियां भी उल्लेखनीय हैं शाह की

गृह मंत्री बनने से पहले वो भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने काम किया। साल 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जब राजनाथ सिंह पार्टी देश के गृह मंत्री बने तो अमित शाह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे। उससे पहले नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान शाह लंबे समय तक राज्य के गृह समेत कई मंत्रालयों के मंत्री रहे।

कई अहम फैसले

संसद के चल रहे मानसून सत्र में गतिरोध के बीच सत्तारूढ़ एनडीए के नेताओं की आज संसद पुस्तकालय भवन (पीएलबी) में अहम बैठक हुई। गृह मंत्री अमित शाह के कार्यकाल का यह महत्वपूर्ण पड़ाव 5 अगस्त को आया, जिस दिन उन्होंने 2019 में संसद में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की घोषणा की थी, जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हो गया था। इसके साथ ही अमित शाह ने अपने कार्यकाल में कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई। उनके बयान और विपक्ष को करारा जवाब भी उनकी उपलब्धियों में शामिल है।

'संविधान का सही अर्थों में किया पालन'

मंगलवार को प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों के साथ बैठक में गृह मंत्री अमित शाह की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि वह अब सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले केंद्रीय गृह मंत्री बन गए हैं। पीएम ने भाषण में कहा कि पांच अगस्त एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि इसी दिन पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष अधिकार देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने संविधान का सही अर्थों में पालन किया है। खास बात है कि मंगलवार को भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार ने जून 2024 में सरकार बनने के बाद से संसद के सत्रों के दौरान इस तरह की यह दूसरी बैठक की है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बचाव में आईं उनकी बहन प्रियंका

सुप्रीम कोर्ट नहीं तय करेगा, कौन सच्चा भारतीय? सरकार से सवाल पूछना ही नेता विपक्ष की ड्यूटी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपने भाई और नेता विपक्ष राहुल गांधी का बचाव करते हुए दो टूक कहा है कि कौन सच्चा भारतीय है? यह सुप्रीम कोर्ट तय नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सरकार से सवाल पूछना राहुल गांधी की ड्यूटी है क्योंकि वह लोकसभा में नेता विपक्ष हैं। प्रियंका गांधी का यह बयान सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें अदालत ने कहा था कि कोई भी सच्चा भारतीय ऐसी बातें नहीं कर सकता। प्रियंका ने कहा, न्यायाधीशों के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूं कि वो यह तय नहीं कर सकते कि सच्चा भारतीय कौन है? सरकार से सवाल पूछना विपक्ष के नेता का कर्तव्य है। मेरा भाई कभी भी सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, वह उनके प्रति उच्च सम्मान रखता है। इसका गलत मतलब निकाला गया है।'

पीएम मोदी ने इसे बताया सबसे बड़ी फटकार

वहीं दूसरी तरफ मंगलवार को एनडीए की बैठक में पीएम मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के राहुल गांधी को दिए हुए बयान का जिक्र करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की इससे बड़ी फटकार हो ही नहीं सकती।

यह है मामला

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिसंबर 2022 में राहुल गांधी ने एक विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि, लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में पूछेंगे, लेकिन चीन ने 2000 वर्ग किमी भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया है, 20 भारतीय सैनिक मार गिराए है और हमारे सैनिकों को अरुणाचल में पीटा जा रहा है, इसके बारे में कोई बात नहीं करेगा। राहुल के इस बयान को लेकर यूपी के रहने वाले उदय शंकर श्रीवास्तव ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और एक निचली अदालत ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया था। इस समन को लेकर राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी जिसकी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह बात कही।

खास बातें

- चीन द्वारा भारत की जमीन हड़पने का किया था दावा
- भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिया था बयान

यह थी सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी?

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना करते हुए कहा था, ''अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे।'हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस मामले में लखनऊ की एक अदालत में गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, ''आप विपक्ष के नेता हैं। आप संसद में बातें क्यों नहीं कहते हैं, आप सोशल मीडिया पर क्यों कहते हैं?' पीठ ने पूछा था, ''आपको कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीनियों ने कब्जा कर ली है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है?' पीठ ने पूछा, ''बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।'

क्या विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते?

गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। उन्होंने दलील देते हुए कहा, 'अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते।' इस पर शीर्ष अदालत ने कहा, 'जब सीमा पार संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य बात है?' सिंघवी ने कहा कि गांधी केवल उचित खुलासे और सूचना के दमन पर चिंता जताने की बात कर रहे थे। यह शिकायत याचिकाकर्ता को परेशान करने के प्रयास के अलावा और कुछ नहीं है।

बिहार में अंतिम चरण में 'एसआईआर' का काम

पश्चिम बंगाल में भी वोटर वेरिफिकेशन का आदेश जारी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस बारे में सूचित किया है और राज्य के निर्वाचन अधिकारियों से मतदाता सूची के वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। बता दें कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम अपने अंतिम चरण में है। एसआईआर प्रक्रिया के तहत राज्य में 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी गई। इस प्रक्रिया के बाद बिहार में करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटेंगे। इनमें ज्यादातर वे मतदाता हैं,

जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। बाकी ऐसे वोटर हैं जो स्थायी रूप से किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित हो चुके हैं। कुछ ऐसे मतदाता भी हैं, जिनके नाम एक से ज्यादा निर्वाचन क्षेत्रों में दर्ज था। हालांकि, विपक्ष चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहा है और इसे बीजेपी के इशारे पर वोटों की चोरी करार दे रहा है।

बिहार : एक भी आपत्ति या सुझाव नहीं

बिहार में विशेष मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) का पहला चरण पूरा हो चुका है। आयोग के सूत्रों का दावा है राजनीतिक दलों की ओर से एक भी आपत्ति दर्ज या सुझाव नहीं मिला है। दूसरी ओर आम वोटरों ने मतदाता सूची को दुरुस्त करने में सक्रियता दिखाई और 1,927 मामले निर्वाचन आयोग के समक्ष दाखिल किए। ये मामले योग्य मतदाताओं को सूची में शामिल करने और अयोग्य मतदाताओं को हटाने से संबंधित हैं। जबकि 10,977 आवेदन फॉर्म-6 के तहत नए वोटर जोड़ने, हटाने और अन्य घोषणा पत्र से जुड़े हैं।

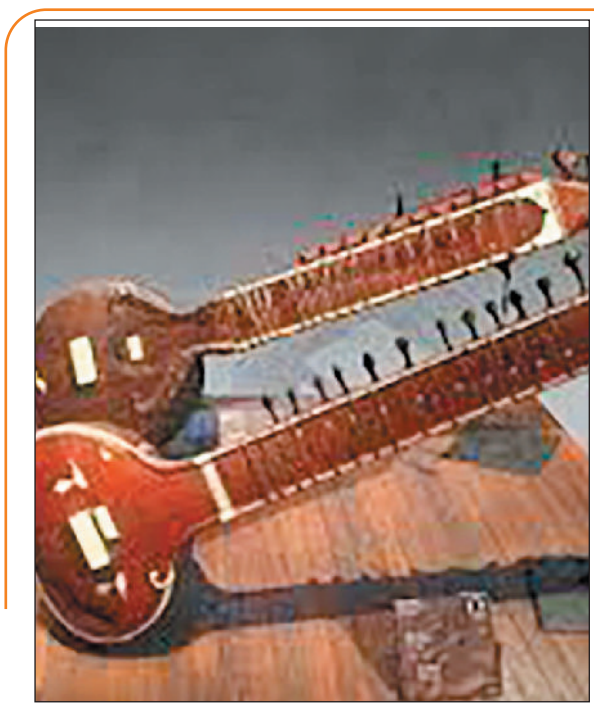

सितार वादन में निपुण रहे कृष्ण नारायण रातंजनकर

कला जगत

डा. अर्चना पाठक

कृष्ण नारायण रातंजनकर का जन्म 31दिसंबर सन 1900 ई को हुआ था। आपके पिता नारायण राव संस्कृत और मराठी के विद्वान और प्रतिष्ठित सितार वादक थे। आपने पटियाला घराने के कृष्णभट्ट होनवार से गायन की शिक्षा प्राप्त की। कालांतर में ग्वालियर घराने के अनंत मनोहर जोशी से आगे की शिक्षा प्राप्त की। भातखंडे जी के धीर गंभीर व्यक्तित्व से रातंजनकर अति प्रभावित थे। उन्होंने भारतीय संगीत के शास्त्रीय व ऐतिहासिक पक्ष का और संगीत का प्रायोगिक अध्ययन भी किया। सन 1926 ई में विल्सन से स्नातक की उपाधि लेने तक आप समर्थ कलाकार, संगीत विद्वान एवं शिक्षा

शास्त्री के रूप में माने जाने लगे। आपने अनेक विद्वत्तापूर्ण लेख और किताबें लिखी। आपकी लगभग 700 रचनाओं का संग्रह अभिनव गीत मंजरी तीन भागों में प्रकाशित हुई। तान संग्रह, संगीत शिक्षा अभिनव संगीत शिक्षा, गोवर्धन उद्धार, गेय नाटिका, हिन्दुस्तानी संगीत की स्वर लिपि, प. विष्णु नारायण भातखंडे, संगीत परिभाषा एवं एस्थेटिक आस्पेक्ट्स ऑफ इंडियन म्यूजिकल हैरिटेज अंग्रेजी, मराठी और हिन्दी में प्रकाश है। आप जीवन पर्यंत संगीत साधना में लगे रहे। 14 अक्टूबर 1956 ई को विजयादशमी के दिन इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ का उद्घाटन हुआ, जिसमें आपने प्रथम उपकुलपति के रूप में कार्यभार संभाला। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय और भातखंडे संगीत विद्यापीठ ने आपको संगीताचार्य की उपाधि से विभूषित किया। आपने विश्वविद्यालय में अनेक शिष्यों को तैयार किया।

शिलालेख

भुवन लाल मिश्र

प्राचीन धरोहरों का साक्ष्य है: शिलालेख

छत्तीसगढ़ के राजीव लोचन मंदिर का शिलालेख 8 वीं या 9 वीं शताब्दी में उत्कीर्ण माना जाता है। इस शिलालेख में पाली और देवनागरी लिपि में लिखा गया है। इस शिलालेख की चौथी पंक्ति में पांडव, छठवीं पंक्ति में प्रसिद्ध सम्राट नल, सातवें पंक्ति में पृथ्वीराज और नवमी पंक्ति में विरूपराज पढ़े जा सकते हैं। इस शिलालेख को लिखे लगभग 1200 वर्ष हो चुके हैं। दूसरा शिलालेख 3 जनवरी 1145 को लिखा गया। छत्तीसगढ़ के देवालयों में वैसे अनेक शिलालेख प्राप्त हुए हैं। इस शिलालेख का बहुत अधिक महत्व है, क्योंकि इसे पढ़ने में महाकौशल के 11वीं और 12 वीं सदी के इतिहास का पता चलता है। साथ ही यह भी पता चलता है कि उन दिनों रतनपुर के हैहयवंशी राजाओं के राज्य का विस्तार कहां तक था। इसी तरह सिरपुर का ताम्रपत्र राजीव लोचन मंदिर के व्यवस्थापक के पास है। राजा तीतरदेव ने अपने शासन काल में 7 वें वर्ष की कार्तिक सुदी 8 को यह ताम्र पत्र जारी किया था। राजिम के कुलेश्वर महादेव मंदिर में दो शिलालेख हैं। पहले शिलालेख में 20 लाइनों में कुछ लिपिबद्ध है। इसका अधिकांश भाग क्षतिग्रस्त होने के कारण पढ़ा नहीं जा सकता। केवल पांचवीं लाइन में श्री संगम शब्द पढ़ने में आता है जिसका अर्थ महानदी के संगम से ही है। दूसरा शिलालेख हिन्दी सोरठा में है जो पवित्र महानदी की प्रशंसा में है।

ऐतिहासिक

वीरेन्द्र बहादुर सिंह

छुईखदान रियासत का विलीनीकरण

5 अगस्त 1947 को भारत की आजादी का यहां के आंदोलनकारियों ने भी देशवासियों के साथ जश्न मनाया, लेकिन उत्तरदाई शासन के लिए उनका आंदोलन जारी रहा। 05 दिसम्बर सन 1947 को छुईखदान में एक विशाल आमसभा का आयोजन किया गया। इस सभा में बड़ी संख्या में किसान और क्षेत्रवासी शामिल हुए। जनमत के आक्रोश को देखते हुए इस रियासत के अंतिम नरेश महंत ऋतुपर्ण किशोर दास ने 13 दिसंबर 1947 को छुईखदान रियासत में पूर्ण उत्तरदाई शासन लागू करने के सम्बन्ध में अधिसूचना जारी कर दी थी, लेकिन इसी बीच भारत के गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की अध्यक्षता में उड़ीसा रियासत की राजधानी कटक में पूर्वांचल के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक बैठक आहूत की गई। इस बैठक में छुईखदान स्टेट कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोवर्धन राम भी शामिल हुए। बैठक में सर्वसहमति से देशी रियासतों के भारतीय गणतंत्र में विलीनीकरण का निर्णय लिया गया। इसके बाद 01 जनवरी 1948 को छुईखदान रियासत को मध्य प्रांत में शामिल कर लिया गया। अधिकारों के लिए सदैव सजग रहने वाले छुईखदान के आंदोलनकारियों ने स्वतंत्रता आंदोलन और रियासती आंदोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाकर भारत के एक छोटे से कस्बानुमा नगर छुईखदान का नाम स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठों पर लिख दिया। छुईखदान की जनता ने ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध दो स्तरों पर संघर्ष किया।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भितिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

धरोहर

राजेश पाण्डेय

महानदी घाटी के आसपास क्षेत्र का समृद्ध इतिहास

महानदी घाटी के सर्वेक्षण से ज्यामितीय विधि से निर्मित विविध आकार प्रकार के सूक्ष्म पाषाण उपकरण तथा मृदभांडों के अवशेष मिले हैं। बिलासपुर के खरौद से काले तथा लाल रंग के ठीकरे के अंदर की ओर काली सतह पर सफेद रंग का चित्रण मिला है, जो ताम्रकालीन सभ्यता को चित्रित करते हैं। मल्हारगढ़ के सर्वेक्षण से सातवाहन शासक वेदश्री की पक्की मिट्टी के अभिलिखित मुहर प्राप्त हुई है, जिसमें मौर्यकालीन ब्रम्हालिपि में वेदश्री का नाम अंकित है। तांबे के आहत सिक्के, सातवाहन शासकों के तांबे तथा मिश्रित धातु के सिक्के भी मिले हैं, जिनके पृष्ठ भाग पर चलते हुए हाथी का अंकन है।

सातवाहन वंश के एक अन्य शासक आपिलक का शासक बालपुर से प्राप्त हुआ है। इस कालक्रम में मल्हार में संरक्षित गोपवेशधारी वासुदेव विष्णु के अभिलिखित प्रतिमा रामगढ़ से प्राप्त सीताबेंगरा, सीतामणी और जोगीमढ़ा में प्राप्त प्राकृत भाषा में उत्कीर्ण ब्रम्हलिपि के लेख अशोककालीन हैं। अकलतरा के पास कोटगढ़ में प्रवेश द्वार आज भी देखे जा सकते हैं। दक्षिण कोसल के कल्चुरियों के शासन काल में शिव मंदिरों के अतिरिक्त विष्णु, सूर्य, देवी, गणेश आदि पंच देवों की विविध स्वरूपों वाली बहुसंख्यक प्रतिमाओं के साथ साथ हिन्दू मत से संबंधित अन्यान्य प्रतिमाएं देखने को मिलती हैं। मल्हार के समीप चकरबेड़ा ग्राम से प्राप्त रोम साम्राज्य के सिक्के तथा इंफोरा पात्रों की उपस्थिति से संकेत मिलता है कि इस क्षेत्र का व्यापारिक संबंध भारत के सुप्रसिद्ध व्यावसायिक उन्नत नगरों के अतिरिक्त रोम तथा चीन के साथ भी इनके व्यापारिक तथा सांस्कृतिक सम्बन्ध स्थापित हुए। 6 वीं, 7 वीं तथा 10 वीं शती में निर्मित देऊर मंदिर के अतिरिक्त 8 वीं से 13 वीं शती के मध्य की

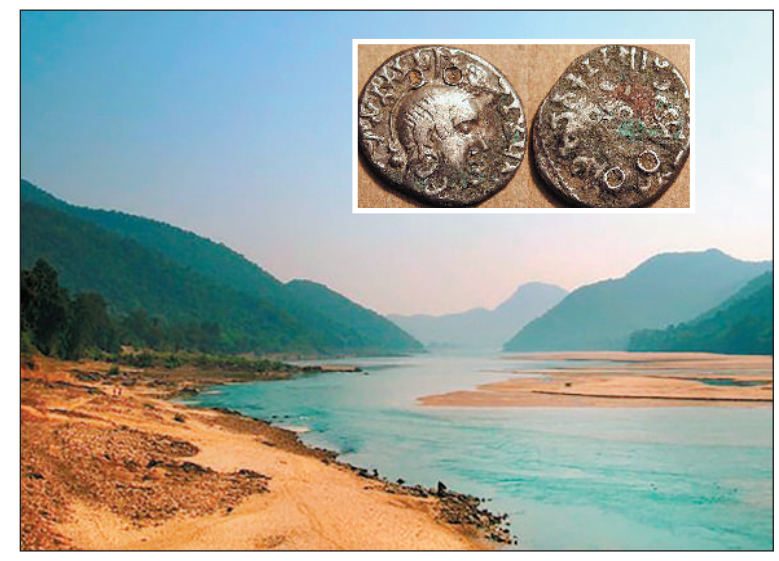

कला शैली में निर्मित बूढ़ीखार ग्राम के समीप महावीर स्वामी मंदिर में आंचलिक कला, संवेदनशीलता, शारीरिक संरचना, शिल्प सौष्ठव, भावभंगिकाएं, वस्त्र विन्यास अलंकरण, सुकोमलता, रूप लावण्य तथा यथार्थ भाव की अभिव्यक्ति का रोचक समन्वय है। इस संदर्भ में मल्हार, खरौद, ताला, अड़भार, शिवरीनारायण, पुजारीपाली, रतनपुर, जांजगीर, पलारी, सिरपुर, राजिम , डीपाडीह, खैरागढ़, राजनांदगांव, भोरमदेव, पचराही तथा कतिपय अन्य कला केंद्रों में संरक्षित कलाकृतियां उल्लेखनीय हैं।

आस्था : मेघनाथ कन्नौजे

वैभवशाली परम्परा का संवाहक रहा श्रीपुर

सम्राट बालार्जुन के कार्यकाल में श्रीपुर (सिरपुर) धर्म और राजनीति का प्रधान केंद्र था। लाखों सैनिक और हजारों सैनिक, अधिकारी, कर्मचारी यहां निवास करते थे। दूर दूर तक श्रीपुर की सीमा फैली हुई थी। चारों ओर बड़े बड़े विशाल प्रवेश द्वार थे। आज खंडहर के अलावा ज्यादा कुछ दिखाई नहीं देता, जो इतिहास को बताने के लिए पर्याप्त हैं। प्रत्येक खंडहर में सांसारिक वैभव और ऐश्वर्य के हाहाकार करुण क्रंदन हैं। इतिहास के इस खंडहर का भाग्य पांचवीं शताब्दी के आसपास सूर्य की तेज किरणों के समान चमकता था, जिससे हस्तिनापुर और पाटलीपुत्र तक ईर्ष्या करते थे।

पाण्डुवंशी तितिर देव, महाशिव तिविर राज के पदवी से विभूषित थे, उन्होंने संपूर्ण कोसल पर विजय प्राप्त की थी। इसीलिए वे कोसलाधिपति कहलाते थे। पांडुवंशियों में सर्वाधिक प्रतापी बालार्जुन थे, जितना विशाल इनका साम्राज्य था, उतना विशाल हृदय था। कहा जाता है कि उन्होंने मुक्त हस्त से निर्धनों और विद्वानों को दान दिया था। इसलिए भगवान शिव ने इनका भंडार कभी खाली नहीं होने दिया। प्रातः काल श्रीपुर में जहां एक ओर भगवान शिव की अर्चना होती थी, वहीं दूसरी ओर भगवान महावीर और बुद्ध की स्तुति गाई जाती थी। भक्ति, ज्ञान, और कर्म तीनों की यहां पूजा होती थी। इनके पावन प्रवाह से समस्त दक्षिण कोसल आप्लावित हो गया था। लगभग सौ बौद्ध मठ और दस हजार भिक्षु यहां साधना करते थे। श्रीपुर महायान का प्रसिद्ध केंद्र था।

लोक साहित्य

डा. सत्यभामा आडिल

छत्तीसगढ़ी काव्य का प्रथम पड़ाव

छत्तीसगढ़ी काव्य की परम्परा प्राचीन है। छत्तीसगढ़ी की क्षमता को पूर्ण रूप से आत्मसात करने तथा ठेठ छत्तीसगढ़ी में काव्य सृजन करने वालों में सुंदरलाल शर्मा का अद्वितीय स्थान है। सुंदरलाल शर्मा ने ही सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी को ग्राम्य भाषा के पद से उठा कर साहित्यिक भाषा के पद पर प्रतिस्थापित किया, और उसे मानवीय मनोभावों के संवहन के योग्य बनाया। शर्मा जी के बाद के कवियों में जगन्नाथ प्रसाद भानु, कपिलनाथ मिश्र और शुक्लाल पाण्डेय के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। जगन्नाथ जी हिन्दी, उर्दू और अंग्रेजी के ज्ञाता थे। हिन्दी काव्य शास्त्र में उनकी अच्छी पैठ थी। छत्तीसगढ़ी में उनकी उल्लेखनीय कृति श्री मातेश्वरी के गुटका है, इसमें पारंपरिक माता सेवा गीतों को साहित्यिक कलेवर में प्रस्तुत किया है। इस दृष्टि से कपिलनाथ मिश्र की खुसरा चिरई के बिहाव नामक कृति की रचना भी की है, जिसमें सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी की प्रवेशिका प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह पुस्तिका अपने सीमित क्षेत्र में पक्षियों और वृक्षों के छत्तीसगढ़ी नामों का ज्ञान कोष है। सन 1886 ई.में उत्पन्न शुक्लाल प्रसाद पाण्डेय भी यद्यपि हिन्दी के थे, तथापि छत्तीसगढ़ी में उन्होंने भी गीया और छत्तीसगढ़ी ग्राम्य गीत की रचना की। शिक्षा के प्रति तत्कालीन जनता की अरुचि का वर्णन विद्याप्रेम नामक कविता में सुंदर बन पड़ा है -

हम नई होवन पंडित संडित, तहि पढ़े कर आग लुवाट।
ए किताब अऊ गजट सजट ल,
जीभ लमा के तई हर चांट।
जनम के हम तो नागर जोतता,
नई जानन सोरा सतरा।
भुरुवा भइसा ता ता ताता,
यही हमर पोथी पतरा।

गांव की कहानी: ऋषिराज पाण्डेय

फूल के झरने के कारण नाम हुआ फुलझर

राजा जगतसाय के वंशधरों के चतुर्थ क्रम में फूलसाय भटगांव गढ़ के राजा हुए जो अबोध बालक थे, उक्त काल खण्ड में मुसलमानों का आक्रमण हुआ। फलस्वरूप बालक राजा फूलसाय को लेकर उनकी राजमाता विमली दाई ने अपनी सुरक्षा के लिए कुछ आत्मीय रक्षकों को लेकर जंगल में जाकर छिप गई। आगे चल कर बालक फूलसाय जब युवा हुए तब उनके अनुचरों ने उनसे कहा कि भटगांव का राज्य दौलत सिंह से वापस ले लिया जाए , किन्तु राजा फूलसाय ने राजमाता विमली दाई द्वारा दिए गए वचनों को निभाया, क्योंकि फूलसाय अत्यंत धार्मिक व्यक्ति थे। उसने वर्तमान गढ़ फूलझर में अपने नाम पर फूल झाड़ी अर्थात फूलझर के नाम से नगर बसा कर एक किला बनाया। फूलसाय के आगमन से पूरे राज्य का महत्व बढ़ गया।

राजा फूलसाय निःसंतान थे , उसने 85वर्षों तक फूलझर पर राज किया। अपने शत्रु शेर खा के साथ लड़ते प्राण त्याग दिए। आगे की बागडोर वंशधर मानसिंह को फूलझर का राजा बनाया

गया। इस राजा ने अपने कार्यकाल में तालाब , रानी महल, राज महल, किले का नया स्वरूप निर्माण में अपना योगदान दिया। संभवतः राजा मान सिंह ने ही राजा फूलसाय की भव्य पाषाण मूर्ति का निर्माण कराया , जिसे सिंह द्वार में स्थापित किया गया था।

अदाणी बने एपीएसईजेड के गैर-कार्यकारी चेयरमैन

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने उद्योगपति गौतम अदाणी को तत्काल प्रभाव से कार्यकारी चेयरमैन से गैर-कार्यकारी चेयरमैन बना दिया गया है। एपीएसईजेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश के आधार पर निदेशक मंडल ने गौतम अदाणी को कार्यकारी चेयरमैन से गैर-कार्यकारी चेयरमैन बनाने को मंजूरी दे दी है।

भारत के लिए टैरिफ वॉर के बीच खुशखबरी, 11 माह के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंची मांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टैरिफ वॉर के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। चीन और अमेरिका के दबाव के बावजूद भारतीय मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर ने दमदार प्रदर्शन किया है। एचएसबीसी इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 11 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। यह उछाल नए निर्यात ऑर्डर और कुल बिक्री में तेज वृद्धि से समर्थन दिखा है। एचएसबीसी इंडिया ने जारी मासिक सर्वेक्षण में बताया कि मैन्युफैक्चरिंग के बाद अब सर्विस सेक्टर ने भी तेजी दिखाई है। एचएसबीसी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई में 60.5 रहा जो जून में 60.4 पर था। विस्तार की दर अगस्त 2024 के बाद से सर्वाधिक है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का मतलब इसमें गिरावट है। एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि सेवा गतिविधि सूचकांक के 60.5 पर होने से नए निर्यात ऑर्डर में वृद्धि के दम पर मजबूत वृद्धि की गति का संकेत मिलता है।

सर्विस सेक्टर की पीएमआई 11 महीने के शीर्ष पर

कीमतों में उछाल से भी ग्रोथ पर असर नहीं

भंडारी ने कहा कि कीमतों के मोर्चे पर कच्चे व तैयार माल दोनों की कीमतें जून की तुलना में थोड़ी तेजी से बढ़ीं, लेकिन आगे चलकर इसमें बदलाव हो सकता है। जैसा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक व थोक मूल्य सूचकांक के हालिया आंकड़ों से संकेत मिलता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई फरवरी से 4 फीसदी से नीचे बनी हुई है। जून में यह 2.1 फीसदी थी।

नए कारोबार में लगातार ग्रोथ

सर्वेक्षण में कहा गया कि नए व्यवसायों में निरंतर वृद्धि उत्पादन वृद्धि का मुख्य कारण रही है। साथ ही भारतीय सेवा प्रदाताओं ने अपनी सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में भी मजबूत सुधार का स्वागत किया है। इसमें कहा गया कि उन्हें एशिया, कनाडा, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका से नए काम मिलने की सूचना मिली है। कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल व तैयार माल शुल्क जून की तुलना में तेजी से बढ़े। उत्पादन कीमतों में ठोस वृद्धि बढ़ी हुई लागत और मजबूत मांग को दर्शाती है।

पतंजलि योगपीठ में मनाया गया जड़ी-बूटी दिवस

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिवस इस वर्ष भी विशेष रूप से जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। यह आयोजन पतंजलि योगपीठ-2 स्थित योगभवन सभागार में किया गया, जहां स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की अगुवाई में वृक्षारोपण और रक्तदान जैसे कार्यों के माध्यम से स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि जड़ी-बूटियाँ हमारे जीवन का मूल हैं, और यदि इनका संरक्षण नहीं किया गया, तो मानव जीवन का अस्तित्व भी संकट में पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पतंजलि का 'जड़ी-बूटी दिवस' सम्पूर्ण मानवता को स्वस्थ, सशक्त और सतत जीवन प्रदान करने का एक प्रयास है।

एनएसएल को मिला राष्ट्रीय सुरक्षा इस्पात पुरस्कार

नगरनार। एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने इस्पात उद्योग में उत्कृष्ट सुरक्षा प्रदर्शन का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रांची में आयोजित 75वीं संयुक्त समिति (जेसीएसएसआई) की बैठक में एनएसएल को राष्ट्रीय सुरक्षा इस्पात पुरस्कार के तहत कुल 16 प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए गए। एनएसएल को यह सम्मान उसकी मजबूत सुरक्षा प्रणालियों, निरंतर निगरानी, और कर्मचारियों व ठेकेदारों की सक्रिय भागीदारी के लिए दिया गया, जो कि कार्यस्थल को पूर्णतः सुरक्षित और दुर्घटना-मुक्त बनाए रखने की दिशा में किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा होगी

नीतिगत ब्याज दर पर आज आएगा एमपीसी का फैसला, बदलाव की संभावना कम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती के बाद इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना कम है। मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दर पर विचार-विमर्श का सिलसिला सोमवार से ही जारी है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसले की घोषणा बुधवार सुबह 10 बजे की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार रिजर्व बैंक ब्याज दर को लेकर यथास्थिति बनाए रख सकता है।

- हाल ही में तीन बार में रेपो दर में कुल एक फीसदी की कटौती हो चुकी

खास बातें

- इस बार नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना काफी कम
- आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है

खुदरा मुद्रास्फीति चार फीसदी के नीचे

केंद्र सरकार ने आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घटबढ़ के साथ चार प्रतिशत के दायरे में बनाए रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। इस साल फरवरी से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार चार प्रतिशत के नीचे बनी हुई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दरों में बदलाव से पहले आरबीआई को और अनुकूल आंकड़ों का इंतजार रहेगा।

उद्योग जगत को 0.25 फीसदी कटौती की उम्मीद

अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद आरबीआई अधिक व्यापक-आर्थिक आंकड़ों का इंतज़ार कर सकता है। हालांकि, उद्योग जगत के एक तबके को उम्मीद है कि बुधवार को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत अंक की कटौती की जा सकती है। इस साल फरवरी से लेकर जून तक हुई तीन एमपीसी बैठकों में कुल एक प्रतिशत अंक की कटौती की जा चुकी है।

वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी अस्थिर

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार विवेक अय्यर ने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य अब भी अस्थिर है और पिछली दर कटौतियों के असर को पूरी तरह देखने के लिए अभी और समय की दरकार है। उन्होंने कहा, "सीमा शुल्क से जुड़ी अनिश्चितता के पहलू को आरबीआई पिछली दर कटौती के समय ही ध्यान में रख चुका है।

दरों को स्थिर बनाए रखने की उम्मीद

आरईए इंडिया (हाउसिंग डॉट कॉम) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रवीण शर्मा ने कहा कि इस साल पहले ही एक प्रतिशत अंक की कटौती हो चुकी है लिहाजा दरों को स्थिर ही बनाए रखने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा, "घर खरीदार अब अल्पकालिक ब्याज दरों से कहीं ज्यादा दीर्घकालिक आत्मविश्वास से प्रेरित हैं।

लचीले भुगतान से घरों की मांग बनी हुई

रियल एस्टेट डेवलपर भी लचीले भुगतान विकल्पों और सूझबूझ भरे प्रोत्साहनों के जरिये घरों की मांग बनाए हुए हैं।" एमपीसी में आरबीआई के तीन सदस्यों के रूप में गवर्नर मल्होत्रा, डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता और कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन शामिल हैं जबकि बाहरी सदस्यों में नागेश कुमार, सौरभ भट्टाचार्य और राम सिंह शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के लाभार्थियों का सम्मान समारोह

जयपुर। अफ़ोर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस क्षेत्र की अग्रणी कंपनी आवास फायनेंसियर्स ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत लाभार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में उन परिवारों की खुशियां साझा की गईं जिन्होंने इस योजना के अंतर्गत घर की सब्सिडी प्राप्त कर अपना खुद का घर पाया। इस अवसर पर आवास फायनेंसियर्स लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ सचिंदर भिंडर ने कहा कि भारत के हजारों परिवारों को उनके स्वयं के घर का सपना साकार होते देखना हमारे लिए अत्यंत गर्व और संतोष की बात है। हम न केवल अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए प्रतिबद्ध हैं, बल्कि स्थाई और पर्यावरण अनुकूल घरों के निर्माण के भी प्रयासरत हैं।

ओला इलेक्ट्रिक 15 अगस्त को उत्पादों का खाका करेगी पेश

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक 15 अगस्त को अपने वार्षिक कार्यक्रम में उसके उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों से जुड़ा खाका पेश करेगी। वार्षिक कार्यक्रम 'संकल्प' 15 अगस्त को तमिलनाडु के कृष्णागिरी स्थित ओला इलेक्ट्रिक की 'गीगाफैक्ट्री' में आयोजित होगा। कंपनी ने बयान में कहा, " कंपनी, संकल्प-2025 के दौरान अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में 'इंडिया इनसाइड विजन' पेश करने को तैयार है।"

Directorate of Veterinary Services Chhattisgarh
Indrawati Bhawan, Block-3, Nawa Raipur, Atal Nagar
Phone No.0771-2331393,94,95 Fax No.0771-2331392/95
Email dirvet.cg@nic.in

Tender Cancellation Notice

Tender Ref. No.: 3887/ Vety.Vaccine/DVS CG/Date: 24.06.2025

Subject :- Cancellation of the referred Tender.

Due to inadequate eligible bidder participation, the tender no. 3887/ Vety.Vaccine/ **DVS CG/ Date-24.06.2025** has been cancelled.

Director
Veterinary Services,
Chhattisgarh

जी- 252602601/3

मेडिस्टेप का आईपीओ आठ अगस्त को खुलेगा

नई दिल्ली। दवा कंपनी मेडिस्टेप हेल्थकेयर का 16.09 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) आठ अगस्त को खुलकर 12 अगस्त को बंद होगा। मेडिस्टेप हेल्थकेयर ने बयान में कहा कि उसके शेयर 18 अगस्त को एनएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। आईपीओ 37.44 लाख शेयर शामिल हैं, जिनकी कीमत 43 रुपये प्रति शेयर तय है। इससे कुल निर्गम का आकार 16.09 करोड़ रुपये बैठता है। सूचीबद्ध होने के बाद कंपनी का बाजार पूंजीकरण 61.10 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। मेडीस्टेप हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक गिरधारी लाल प्रजापति ने कहा, 'आईपीओ से प्राप्त राशि रणनीतिक रूप से हमारे विस्तार प्रयासों को समर्थन देगी।

ऑरियनप्रो ने इन्फ्रारिस्क का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता ऑरियनप्रो सॉल्यूशंस ने मंगलवार को कहा कि उसने मेलबर्न स्थित सॉफ्टवेयर फर्म इन्फ्रारिस्क का अधिग्रहण करने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बाजार में कदम रख दिया है। हालांकि, कंपनी ने इस अधिग्रहण के लिए हुए लेनदेन से संबंधित वित्तीय जानकारी साझा नहीं की है।

CHHATTISGARH HOUSING BOARD
HEAD OFFICE, PARYAWAS BHAWAN,
NORTH BLOCK, SECTOR-19, NAVA RAIPUR ATAL NAGAR

-:REQUEST FOR PROPOSAL:-

DATE : 06/08/2025 ADVERTISEMENT NO.-

Proposals are invited from reputed and eligible Chartered Accountant Firms for Internal Audit, Pre-Audit and RERA Audit of Chhattisgarh Housing Board. The detailed RFP document along with the terms and conditions of the RFP can be downloaded from https://eproc.cgstate.gov.in & www.cghb.gov.in.

Start date: 06-08-2025 for Downloading RFP. The last date of submission of proposals is 21-08-2025.

Chief Accounts Officer
Chhattisgarh Housing Board

सं-44802

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	172781 प्रथम आमंत्रण 28.07.2025	जिला कांकेर के आवासपारा (वेयरहाउस) से पी.व्ही. 24 (बांदे) मार्ग लंबाई 1/2 से 4/8 = 3.80 कि.मी. निर्माण कार्य पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	377.83
2	172888 प्रथम आमंत्रण 29.07.2025	जिला कांकेर के राजनांदगांव बैलाडीला मार्ग के कि.मी. 95/10 पर खण्डी नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	572.28
3	172777 प्रथम आमंत्रण 29.07.2025	लिम्ही से पोडी मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	266.67
4	172897 प्रथम आमंत्रण 29.07.2025	जिला बलरामपुर रामानुजगंज अंतर्गत विकासखण्ड बलरामपुर में शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	455.27
5	172914 प्रथम आमंत्रण 30.07.2025	पाली से उतरदा मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. (वास्तविक लंबाई 1.80 कि. मी.) का शेष निर्माण कार्य।	225.49
6	172925 तृतीय आमंत्रण 30.07.2025	जगदलपुर केन्द्रीय जेल में 06 नग बैरक (फैक्ट्री बैरक (जी.एफ./एफ.एफ.एण्ड II एफ. हाईसेल बैरक) (शेष कार्य) विद्युतीकरण सहित ।	241.19
7	172955 प्रथम आमंत्रण 30.07.2025	जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के प्रतापपुर सेमरसोत (एस.एच. 12) मार्ग के कि.मी. 13/8 पर बंजारी नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	465.39

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 06 दिनांक 11.08.2025 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 20.08.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

मुख्य अभियंता,
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी- 252602597/4

राशिफल

मेष: किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष: धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन: माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क: मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या: आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला: कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक: संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु: आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर: माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ: आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन: आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

एयरटेल का लाभ 43 प्रतिशत बढ़कर 5,947.9 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 43 प्रतिशत बढ़कर 5,947.9 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 4,160 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। भारती एयरटेल ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी एकीकृत परिचालन आय 28.4 प्रतिशत बढ़कर 49,463 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 38,506.4 करोड़ रुपये थी। भारती एयरटेल का भारत में राजस्व सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 37,585 करोड़ रुपये हो गया। भारत में कंपनी की प्रति ग्राहक औसत कमाई (एआरपीयू) समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 250 रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 211 रुपये थी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. /निर्माण/2025 दिनांक 31.07.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 58 (पूर्व वार्ड क्र 51) अटल आवास से ट्रासफार्मर एवं जीवन आशा हॉस्पिटल तक ओ.पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने का कार्य (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	29.64	25.08.2025 (T.No. 172921)
1	वार्ड क्र. 62 (पूर्व वार्ड क्र 54) चन्द्रनगर नया बसाहट के विभिन्न स्थानों पर ओ.पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने का कार्य (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	21.50	25.08.2025 (T.No. 172922)
1	टी पी. नगर महराजा होटल से पावर हाउस रोड से टी.पी. नगर चौक तक, टी. पी. नगर चौक से सुनालिया केनाल ब्रिज बंगाली चाल डी.आई. पाईप लाईन बिछाने का कार्य (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	83.56	25.08.2025 (T.No. 172923)
1	वार्ड क्र. 55 (पूर्व वार्ड क्र. 48) दर्री सलिहाभाठा कमल तिवारी घर से राजपाल घर तक सलिहाभाठा शासकीय प्रायमरी स्कूल से बाबा घर तक, सुरईया घर से तेश प्रजापति घर एवं नागीनभाठा बाबा घर से संतोष कर्ष घर तक ओ. पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने का कार्य (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा)	20.21	25.08.2025 (T.No. 172999)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

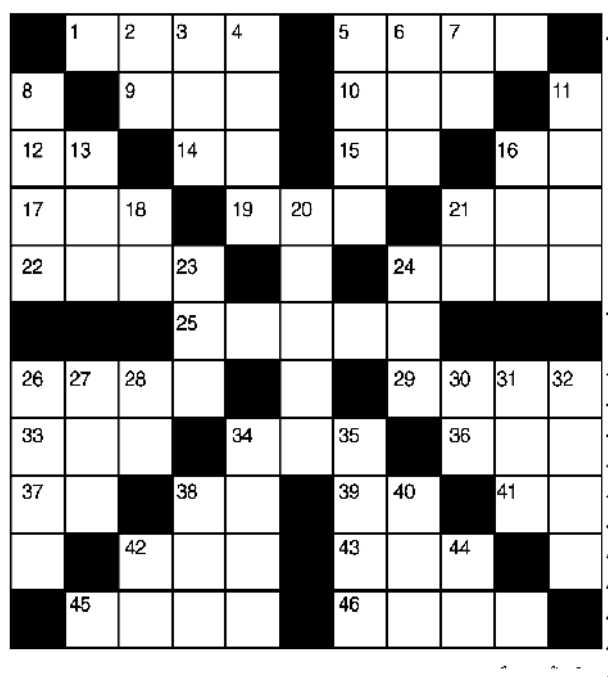

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

शब्द पहेली - 5950

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 5949 का हल

सूडोकु नवताल- 5960

★★★ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5959 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

प्रथम पृष्ठ का शेष

बादल फटने से...

हुए लोगों की संख्या के बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं मिली है लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि यह संख्या 50 से अधिक हो सकती है क्योंकि बाढ़ के पानी के तेज बहाव के कारण लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने का मौका ही नहीं मिला। अधिकारियों ने बताया कि धराली में आई बाढ़ में कई मकान और होटल तबाह हो गए। धराली गंगोत्री धाम से करीब 20 किलोमीटर पहले पड़ता है और यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। उन्होंने बताया कि दोपहर बाद करीब पौने दो बजे हुई इस घटना में कम से कम आधा धराली गांव मलबे और कीचड़ में दब गया। बाढ़ के पानी और मलबे के तेज बहाव में तीन-चार मंजिला मकानों सहित आस-पास की इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं। अधिकारियों के अनुसार, खीर गंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बादल फटने से यह विनाशकारी बाढ़ आई। बाढ़ से केवल धराली ही नहीं प्रभावित हुआ। राज्य आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि तेज गति से आया सैलाब एक ही पहाड़ी की दो अलग-अलग दिशाओं में बहा-एक धराली की ओर दूसरा सुक्की गांव की ओर।

दवा निगम से...

आज ईडी ने उसकी चालीस करोड़ की संपत्ति को अटैच किया है। दूसरी ओर,जनसंपर्क आयुक्त रवि मित्तल का कद बढ़ा है। उन्हें वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ संयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ किया गया है। जिन अधिकारियों के प्रभार बदले गए हैं, उनमें रीना बाबा साहेब कंगाले सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव राजस्व एवं आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग तथा आयुक्त भू-अभिलेख का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं अविनाश चम्पावत सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा पुनर्वास विभाग को, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर पदस्थ करते हुये सचिव, जनशिकायत निवारण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौपा गया है। रितेश कुमार अग्रवाल संचालक, कोष एवं लेखा तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक, पेंशन, पंजीयक, फर्म एवं संस्थाएं को प्रबंध संचालक, छग मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन, रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। प्रभात मलिक मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छग इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स), रायपुर तथा अतिरिक्त प्रभार संयुक्त सचिव, सुशासन एवं अभिसरण विभाग, संयुक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचालक, उद्योग एवं नोडल अधिकारी, प्रधानमंत्री गतिशक्ति परियोजना को केवल संयुक्त सचिव, सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है।

रवि मित्तल संयुक्त...

के पद पर पदस्थ करते हुये आयुक्त, जनसंपर्क तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संवाद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। जयश्री जैन, मिशन संचालक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन तथा अति. प्रभार संचालक, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त उप सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है। दीपक कुमार अग्रवाल नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव, लोक आयोग का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है।

सीजीपीएमसी घोटाले...

संभावना काफी मजबूत हो गई है कि इस महाघोटाले में मनी लाड्रिंग का खेल भी हुआ है। ईडी की टीम ने 30 जुलाई की सुबह मोक्षित कार्पोरेशन के डायरेक्टर शशांक चोपड़ा, उनके रिश्तेदारों के साथ जेल में बंद कुछ विभागीय अधिकारियों के ठिकानों पर दबिश देकर जांच की थी। जांच दुर्ग, रायपुर के साथ बिलासपुर के 20 ठिकानों में हुई थी। ईडी द्वारा जारी अधिकृत बयान में बताया गया कि आवासीय, कार्यालय परिसर में तलाशी के दौरान बैंक खातों में जमा राशि, फिक्स डिपाजिट, डीमैट खातों में शेयर और दो लग्जरी वाहनों के रूप में 40 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज/डिजिटल उपकरण और संपत्तियां जब्त की गई हैं। इस रीएजेंट घोटाले की जांच राज्यस्तर पर ईओडब्लू द्वारा की जा रही थी। मामले में शशांक चोपड़ा के साथ सीजीएमएससी के पूर्व अधिकारी बसंत कुमार कौशिक, कमलकांत पाटनवार, क्षिरौद्र रौतिया, दीपक कुमार के साथ स्वास्थ्य संचालनालय से जुड़े डा. अनिल परसाई शामिल हैं।

यह था मामला...

ऐसे स्वास्थ्य केंद्रों में भेज दिया गया था, जहां उसका उपयोग ही नहीं था। इससे करोड़ों के रीएजेंट और केमिकल बिना उपयोग के खराब हो गए। गंभीर शिकायतों के बाद ईओडब्लू ने मामले की जांच के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम का अपराध दर्ज किया। इससे जुड़े लोगों की गिरफ्तारी की थी।

कई बड़े अफसरों से...

उपकरण की खरीदी बिना आला अधिकारियों की सहमति के कैसे संभव थी। ईओडब्लू द्वारा अपनी जांच के दौरान भी कुछ उच्च स्तर के अधिकारियों से भी पूछताछ की गई थी।

अब भी खाली हवा...

टोला घाट पर बनाया गया है। इस ब्रिज की खास बात यह है कि इसे लोहे की रस्सियों के सहारे बनाया गया है। ब्रिज में कॉलम का उपयोग नहीं किया गया है। लंबी अवधि की क्षमता, उच्च भार वहन क्षमता, लचीलापन और टिकाऊपन, सुंदरता के लिहाज से इसे तैयार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सस्पेंशन ब्रिज का मुख्य घटक मुख्य केबल है, जो पुल के डेक को सहारा देने के लिए टावरों से गुजरते हैं। ये केबल बहुत मजबूत हैं और पुल के वजन और उस पर पड़ने वाले भार को सहने में सक्षम रखते हैं।पुल के दोनों सिरों पर टावर हैं, इसमें मुख्य केबलों को सुरक्षित रूप से बांधा गया है। छोटे और मुख्य केबल पुल के डेक को जोड़ हुए हैं। ये अन्य पुलों की तुलना में अधिक लचीले होते हैं, जो उन्हें भूकंप और तेज हवाओं जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने में सक्षम बनाते हैं।

बच्चों के भविष्य...

शिक्षा देना हर राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि प्राइवेट स्कूल के मालिक बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं और खुद मर्सिडीज गाड़ियों में घूम रहे हैं। हाल यह है कि पान दुकान वाले भी बिना मान्यता के नर्सरी स्कूल चला रहे हैं। दरअसल, प्रदेश के कई निजी स्कूल बिना किसी मान्यता के नर्सरी से लेकर कक्षा 8 वीं तक की पढ़ाई करा रहे हैं। इस मामले को लेकर विकास तिवारी ने जनहित याचिका दायर की है। यह याचिका उन स्कूलों के खिलाफ दायर की गई थी, जिन्होंने आरटीई कानून के तहत गरीब तबके के बच्चों को प्रवेश नहीं दिया, जबकि वे इसके लिए बाध्य थे। आरोप यह है कि ये स्कूल बिना मान्यता के चल रहे हैं और सरकारी सब्सिडी और नियमों की अनदेखी करते हुए मनमानी फीस वसूल कर रहे हैं। याचिका पर चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने पूर्व में स्कूल शिक्षा सचिव को हलफनामा के साथ बताने को कहा है कि, जब 2013 के सर्कुलर के अनुसार नर्सरी कक्षाएं भी मान्यता के दायरे में आती हैं, तो फिर बिना मान्यता स्कूल कैसे चलाए जा रहे हैं। हाईकोर्ट ने यह भी पूछा कि जब पहले ही कहा गया था कि जब तक इन स्कूलों को मान्यता नहीं मिल जाती, तब तक वे किसी नए छात्र को प्रवेश नहीं दे सकेंगे तो फिर एडमिशन कैसे हुए।

क्या हाईकोर्ट के...

दिया तो पता चला कि शिक्षा सचिव छुट्टी में है। कोर्ट ने पूछा कि कब तक शिक्षा सचिव छुट्टी से आ जाएंगे? सरकारी वकील ने उन्हें बताया कि 15 दिन की छुट्टी में होने की जानकारी है, एक्जेक्ट तिथि उन्हें नहीं पता। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि उन्हें एग्जेक्ट डेट चाहिए, शिक्षा सचिव तो हमारे डर से 15 दिन की क्या छुट्टी आगे बढ़ाकर 30 दिन की छुट्टी में चले जाएंगे, वह परेशान हो गए हैं हमसे क्योंकि उनसे भी बहुत कुछ संभाले नहीं संभल रहा है। सरकारी वकील ने बताया कि उनकी जगह संयुक्त सचिव शपथ पत्र पेश कर देंगे वह भी आईएएस हैं। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि इतने संवेदनशील मुद्दे को टाला नहीं जा सकता यदि सचिव साहब छुट्टी से आ जाए तो उनका शपथ पत्र 13 को पेश करवाइए अन्यथा जॉइंट सेक्रेटरी का ही पेश करवा दीजिएगा।

पीएम मोदी ने...

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया को व्यवस्थित करने में उनके 'असाधारण नेतृत्व' के लिए सम्मानित किया गया और एक प्रस्ताव में ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के दौरान सशस्त्र बलों की भी उनके 'बेजोड़ साहस' और 'अटूट प्रतिबद्धता' के लिए प्रशंसा की गई। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह उनके मंत्रालय में सबसे लंबे समय तक रहने वाले मंत्री बन गए हैं, उन्होंने 1998 में राजग के सह-संस्थापक भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को पीछे छोड़ दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, यह तो बस शुरुआत है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी लंबा रास्ता तय करना है। इससे सांसदों के बीच इस बयान के निहितार्थ को लेकर चर्चा शुरू हो गई। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री ने राजग की लंबी और सफल यात्रा के संदर्भ में बात की और कहा कि यह सरकार और भी कई उपलब्धियां हासिल करेगी। प्रधानमंत्री मोदी की 2019 में दूसरी बार सरकार बनने के बाद से शाह लगातार छह साल 65 दिन से गृह मंत्री हैं। उनके कार्यकाल में सरकार की कई उल्लेखनीय उपलब्धियां रही हैं, जिनमें अनुच्छेद 370 को हटाना और सफल नक्सल विरोधी अभियान शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को आतंकवादी हमले और भारत की सैन्य प्रतिक्रिया पर बहस कराने के अपने फैसले पर पछतावा हो रहा होगा। मोदी ने याद दिलाया कि उन्होंने लोकसभा में अपने जवाब की शुरुआत इस बात से की थी कि वे 'भारत का रुख' प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने राजग के वक्ताओं द्वारा उठाए गए बिंदुओं की प्रशंसा की थी।

पत्नी और बेटे के...

ने कहा कि अभियुक्त अपने बेटे और पत्नी के अंतिम संस्कार के समय भी मौजूद नहीं था, लेकिन वह इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है। निचली अदालत ने मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्य का भी बारीकी से मूल्यांकन किया और पाया कि अभियोजन पक्ष ने अभियुक्त के विरुद्ध अपना मामला उचित संदेह से परे साबित कर दिया है। कोर्ट ने दो हत्याओं के मामले में आरोपी को धारा 302 के तहत दो मामलों में दोषी मानते हुए डबव उम्रकैद की सजा सुनाई है। प्रकरण के मुताबिक शिकायतकर्ता मीरा देवी गुप्ता ने पुलिस स्टेशन महासमुंद में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 12 नवंबर 2016 को वह अपनी ड्यूटी पर गई थीं और अपनी बहू अंजू गुप्ता, पोता प्रतीक राज 8 वर्ष तथा बेटा आरोपी संदीप गुप्ता को घर में छोड़ कर गई थीं। दोपहर लगभग ढाई बजे बेटे संदीप ने फोन किया और बताया कि वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ रायपुर आ गया है। घर की चाबी छोड़ना भूल गए हैं, इसलिए उसे भी रायपुर आना आने कहा। मां अपनी बेटी के घर रायपुर पहुंची और अपने बेटे संदीप को फोन लगाया लेकिन संपर्क नहीं हो सका। जब वह महासमुंद लौटी तो देखा कि दरवाजा बंद है। मकान मालिक की मदद से ताला तोड़ा कर अंदर गई तो पाया कि उसकी बहू अंजू गुप्ता और पोते प्रतीक राज का शव पड़ा था। जिस पर खून के धब्बे थे और आरोपी वहां नहीं था। पुलिस ने जांच के बाद पुलिस ने संदीप गुप्ता के खिलाफ हत्या का जुर्म दर्ज कर गिरफ्तार किया। निचली अदालत ने आरोपी को धारा 302 में सजा सुनाई। इसके खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील पेश की।**निचली अदालत का निर्णय यथावत**-जस्टिस रजनी दुबे एवं जस्टिस ए के प्रसाद की डीबी ने कहा कि अभियुक्त घर से अपनी अनुपस्थिति के संबंध में कोई भी उचित स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है।

बयानों में महत्वपूर्ण...

को मृतक अंजू गुप्ता और प्रतीक की हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया था। उक्त पत्र को पेश नहीं किया गया। घटना में प्रयुक्त पेचकस और पेंसिल कटर आरोपी से जब्त नहीं किया गया है।

24 घंटे में भारत...

हमारे साथ काफी व्यापार करता है, लेकिन हम उसके साथ व्यापार नहीं करते। इसलिए हमने 25 प्रतिशत शुल्क पर समझौता किया, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा, क्योंकि वे रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। वे जंगी मशीन को ईंधन मुहैया करा रहे हैं। और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी। भारत के साथ व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ 'अड़चन' यह है कि उसके शुल्क बहुत ज्यादा हैं। उन्होंने कहा, अब मैं यह कहूंगा कि भारत अबतक के सबसे ऊंचे शुल्क से आगे बढ़कर, हम पर शून्य शुल्क लगाएगा, लेकिन वे जो तेल के साथ कर रहे हैं, उसको देखते हुए यह पर्याप्त नहीं है। ट्रंप ने पिछले हफ्ते ही भारत से आयातित उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इसके अलावा उन्होंने रूस से तेल एवं गैस खरीदने की वजह से भारत पर अलग से जुर्माना लगाने की बात भी कही थी। इससे पहले, सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि वह भारत पर अमेरिकी शुल्क में खासी बढ़ोतरी करेंगे। उन्होंने भारत पर भारी मात्रा में रूसी तेल खरीदने और उसे बड़े मुनाफे पर बेचने का आरोप लगाया था। ट्रंप के बयान के कुछ ही घंटों बाद, भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए उसे 'अनुचित और अविवेकपूर्ण' तरीके से निशाना बनाने को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ पर पलटवार किया।

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृंदा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियालिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
24 घंटे आपात चिकित्सा
उपलब्ध सुविधाएं: जनरल मेडिसीन, छाती रोग, हृदय रोग, सांस एवं फेफड़ा रोग, दंत रोग, डायबिटीज, त्वचा रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बच्चों के रोग, जोड़ एवं हड्डी रोग, आंख, कान, गला रोग, जनरल सर्जरी, ऑन्कोलॉजी विभाग, यूरोलॉजी, फिजियोथेरेपी, सोनोग्राफी, डिजिटल एक्स-रे, सीटी स्कैन, क्रिटिकल केयर यूनिट, आईसीयू, ट्रॉमा केयर
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) 8962566221, 07714916125, 7223065604

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खरांटे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- बिलासपुर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में महिला वर्कर्स ढूंढने हेतु फील्ड स्टाफ चाहिए। योग्यता NGO, रोजगार सहायक, सर्वे कार्य किया, कुशल संवाद क्षमता। वेतन 8000 से 12000+ इंसेंटिव सम्पर्क- 92446 64654 (38392)

आवश्यकता है- बिलासपुर व्यापार विहार तेलीपारा पुराना बस स्टैण्ड सरकंडा कोनी सिरगिट्टी परसदा तिफरा हेतु सुरक्षा गार्ड चाहिए वेतन 9000 से 10000 आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- 9993336942, 95893 16942 (38391)

आवश्यकता है- रियल स्टेट ऑफिस में कार्य करने हेतु शिक्षित, अनुशासित, युवक की आवश्यकता है। वेतन एवं कमीशन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- सेन्ट्रल लाइब्रेरी के पास नूतन चौक सीपत रोड बिलासपुर 7024445442 (38386)

आवश्यकता है- टीवीएस दुपहिया कम्पनी के अधिकृत विक्रेता को सेल्स मैनेजर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, सर्विस मैनेजर, सर्विस एडवाइजर, कम्प्यूटर आपरेटर, स्पेयर्स पार्ट्स कजीक्यूटिव चाहिए सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9039167202 (38257)

आवश्यकता है- (1) ऑफिस असिस्टेंट फीमेल-2, मेल-2 (2) गोडाउन इंचार्ज-1 (3) ITI की पढ़े हुए टेक्नीकल असिस्टेंट-2 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रतीक ऑटोमोबाइल, बबल आइलैंड के सामने सिरगिटी रोड बिलासपुर - 8827773222 (38389)

आवश्यकता है
डॉक्टर (MBBS)
नर्सिंग स्टॉफ (B.SC/GN)
काउन्टर स्टॉफ
आया बाई (हॉस्पिटल एवं घरेलू कार्य हेतु)
सम्पर्क करें- सुबह 11 से 01 बजे तक
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल
मगरपारा रोड, बिलासपुर
07752-226296,402543

आवश्यकता है- घरेलू सभी कार्य एवं खाना बनाने हेतु 45वर्ष से ऊपर की महिला की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-वसुंधरा नगर पल्लव भवन के सामने रिंग रोड नं-2 बिलासपुर 7974626975 (38384)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु 12वीं पास डिलीवरी ब्वाय चाहिए वेतन 8000-9000 पता- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी, गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने व्यापार विहार रोड बिलासपुर (38388)

आवश्यकता है- मंगला दीनदयाल कॉलोनी के पास स्थित हमारे बगीचे की देखभाल के लिए एक अनुभवी और मेहनती माली की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9755042841, 97555 35553 (38385)

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने के लिए कुक पुरुष कर्मचारी की आवश्यकता है। रहने की सुविधा उपलब्ध। आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 9827195555 (38387)

आवश्यकता है-कार चलाने के लिए कुशल ड्राइवर की आवश्यकता है लाइसेन्स एवं बायोडाटा को व्हाट्सएप/ कॉल करके सम्पर्क करें- 98930 81826, 7067124226 (38383)

आवश्यकता है-OMI कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के, लड़कियां की। योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000, रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021 (38380)

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में काम करने के लिए केवल अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-आस्था पेट्रोल पम्प के सामने व्यापार विहार रोड भारतीय नगर चौक बिलासपुर (38382)

आवश्यकता है-रियल स्टेट कम्पनी में काम करने के लिए युवक एवं युवतियों की आवश्यकता है सैलरी योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 62667 83717 (38377)

आवश्यकता है-(Boys) ग्राफिक डिजाइनर, सेल्समैन, पैकिंग हेल्पर, ऑफिस बॉय चाहिए (समय 10 से 8) सैलरी 8000 से 15000 सम्पर्क करें- Farmers Pride मेन रोड नेचर सिटी गेट उसलापुर बिलासपुर 9179294949, 7987551332 (38378)

आवश्यकता है-होटल में कार्य करने के लिए मैनेजर एवं हाऊस कीपिंग कार्य करने के लिए लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 98271 50514, 9329423630 (38379)

आवश्यकता है-Aqua guard सर्विस सेन्टर में फील्ड कार्य के लिए 10वीं, 12वीं ग्रेजुएट बाईक वाले लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हर्ष इंटरप्राइजेस, विनोबा नगर बिलासपुर 90390 14222, 8962337374 (38358)

आवश्यकता है-फर्नीचर शोरूम में सेल्स कार्य के लिए एवं काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मित्तल फर्नीचर, अमेरी चौक बिलासपुर 98266 63999 (38372)

आवश्यकता है-एजेन्सी में काम करने हेतु सेल्समैन लड़के /लड़की की आवश्यकता है। 2साल से ज्यादा का अनुभव होना जरूरी है। सिर्फ अनुभवी ही सम्पर्क करें- 9926199500 (38374)

आवश्यकता है-सिविल कार्य हेतु मकान प्लास्टर, जुड़ाई, ढलाई मिस्त्री कुली, रेजा, ठेकेदार एवं छोटा हाथी गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर चाहिए सम्पर्क करें- रामकृष्ण नगर मारुति शोरूम के पास मोपका बिलासपुर 9300350334 (38371)

आवश्यकता है-Darshan EMU India Pvt. Ltd. कम्पनी में आफिस एवं सेल्स कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- वृन्दावन प्लाजा नेहरु चौक बिलासपुर 9238779974, 934340 0633 (38369)

आवश्यकता है-पार्सल डिलिवरी करने के लिए लड़के की एवं मेडिकल स्टोर में कार्य करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- बिलासपुर 8319774327, 7489874508 (38375)

आवश्यकता है-साड़ी शोरुम में काम करने हेतु अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल की आवश्यकता है। अनुभवी ही सम्पूर्ण विवरण सहित सम्पर्क करें-कोसा क्रियेशन जूनीलाइन बिलासपुर (वेतन योग्यता अनुसार 6000 से 9000 प्रतिमाह) (38373)

आवश्यकता है- बम्पर भर्ती Ordeal कम्पनी में 60 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है आय 8500 से 22000 रहना खाना फ्री परमानेंट जॉब पता- उस्लापुर ब्रिज ओव्हर के पास दीपसागर नगर बिलासपुर 80034 02269 (38376)

आवश्यकता है-5वर्ष अनुभवी John Bean व्हील एलाइन्मेंट, बैलेंसिंग, टायर चेंजिंग एवं नाइट्रोजन फिलिंग कार्य करने के लिए ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8927400000 (38363)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य की आवश्यकता है 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो ग्वालियर में रहकर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस प्रमोशन+ ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 सम्पर्क करें-9039470547, 8815522974 (6713)

आवश्यकता है-एजेन्सी में छोटा हाथी, ऑटो ड्राइवर एवं सप्लाई हेतु पार्टटाइम शाम को 2-3 घंटो के लिये लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क महावीर एजेन्सी MIG-15 नेहरू नगर रोड बिलासपुर 9755885780 9893056083 (38364)

आवश्यकता है-नौकरी की भर्ती ऑथर्स क्लिक प्रकाशन में टेलीकॉलर (केवल लड़कियों के लिए योग्यता स्नातक किसी भी क्षेत्र से) स्थान वासुदेव कॉम्प्लेक्स सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर सम्पर्क करें- 88154 46519 (38368)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे, रहना फ्री, सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस सम्पर्क करें- मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8085106943 (191)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Reliance jio 5-G कंपनी घर बैठे पार्ट/ फुल टाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Name, Address, Qualification, Call/ WhatsApp करें- 6200736250 (1082)

खरीदना

खरीदना-बिलासपुर से अधिकतम 15 कि.मी. की दूरी पर मेन रोड से लगी हुई कृषि भूमि खरीदना है। कृपया भूमि स्वामी ही सम्पर्क करें- 83490 54531 (38365)

बेचना

बेचना है- रायपुर रोड में बिलासपुर हाईकोर्ट के सामने, एयरपोर्ट रोड, मेन रोड से 50मी. अन्दर 50×200 वर्गफीट, व्यावसायिक, डायवर्सन, बाउन्ड्रीवाल, कार शोरूम, आटोमोबाईल, होटल एवं अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु उपयुक्त प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें-9300310774 (38390)

बेचना है-न्यू बस स्टैण्ड तिफरा के समीप यदुनन्दन नगर में 950 वर्गफिट डबल रोड डायवर्टेड जमीन एवं पूर्व मुखी डबल स्टोरी 3BHK मकान लाल ईट, फालसीलिंग मॉड्यूलर किचन सम्पर्क करें- 9826314444 (38359)

बेचना है-HDFC बैंक सरकंडा के पास 43×180, लोयला स्कूल के पास 80×130, सरस्वती कॉलेज के सामने 100×130, सेंदरी सकरी हाइवे रोड ऊपर काके दी ढाबा के पास निरतू कोनी बिलासपुर 65×184, 132×184 का शानदार प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9406441535, 93008 78897 (38367)

कृषि उपकरण

कृषि उपकरण-सबसे कम दामों में ट्राली, टेंकर, हाइड्रोलिक ट्राली मल्टीक्रॉप थ्रेसर, कल्टीवेटर, केजव्हील, कोपर, दतारी, लेबलर सभी कृषि उपकरण, रिपेयरिंग, पेन्टिग एक्सचेन्ज हेतु सुविधा- किसान एग्रो गतौरी रतनपुर रोड 9827683510, 9827892413 (38268)

फायनेंस

फायनेंस- रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर मुद्रा लोन योजना अंतर्गत सभी प्रकार लोन आसान किस्तों पर प्राप्त करे घर बैठे 2% वार्षिक ब्याज 30% छूट महिलाओं और किसानों को विशेष छूट हेल्पलाइन 8127684826, हेडऑफिस 9889062539 (203)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

MedicareSpecialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले विकेटकीपर में धोनी टॉप पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में विकेटकीपर बल्लेबाजों की भूमिका अब सिर्फ दस्तानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने बल्ले से भी कई बार इतिहास रचा है। जब कोई विकेटकीपर बल्लेबाज बड़ी पारी खेलता है तो वह न केवल मैच की दिशा बदलता है बल्कि कई रिकॉर्ड्स भी अपने नाम करता है। आइए उन विकेटकीपर बल्लेबाजों के आंकड़ों के बारे में जानते हैं जिन्होंने वनडे इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेली है।

भारतीय खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी

(183* रन बनाम श्रीलंका)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी इस सूची में पहले स्थान पर हैं। उन्होंने साल 2005 में श्रीलंका के खिलाफ 183* रनों की पारी खेली थी। इस खिलाड़ी ने सिर्फ 145 गेंदों का सामना किया था। उनके बल्ले से 15 चौके और 10 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 126.20 की रही थी। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 298/4 का स्कोर बनाया था। जवाब में भारत ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था।

दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक

(178 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया)

दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक हैं। उन्होंने साल 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 178 रन की पारी खेली थी। डिकॉक ने सिर्फ 113 गेंदों का सामना करते हुए ये रन बनाए थे। उनके बल्ले से 16 चौके और 11 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 157.52 की रही थी। कंगारू टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 294/9 का स्कोर बनाया था। दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया था।

बांग्लादेश के लिटन दास

(176 रन बनाम जिम्बाब्वे)

तीसरे स्थान पर बांग्लादेश क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास हैं। उन्होंने साल 2020 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ 143 गेंदों का सामना करते हुए 176 रन बनाए थे। उनके बल्ले से 16 चौके और 8 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 123.07 की रही थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 322/3 का स्कोर बना दिया था। बांग्लादेश की टीम ने उस मैच में 123 रनों से अपने नाम किया था।

क्विंटन डिकॉक (174 रन बनाम बांग्लादेश)

इस सूची में चौथे स्थान पर भी दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ही हैं। उन्होंने साल 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में 174 रन की पारी खेली थी। उन्होंने 140 गेंदों का सामना करते हुए ये रन बनाए थे। उनके बल्ले से 15 चौके और 7 छक्के निकले थे। उनकी स्ट्राइक रेट 124.28 की रही थी। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 382/5 का स्कोर बनाया था। जवाब में बांग्लादेश 233 रन ही बना पाई थी।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय सब जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप कल से ग्रेटर नोएडा में

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने मंगलवार को कहा कि ग्रेटर नोएडा में सात से 13 अगस्त तक होने वाली सब-जूनियर (अंडर-15) राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 400 लड़के और 300 लड़कियों सहित 700 से अधिक मुक्केबाज भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 भार वर्ग में किया जाएगा। हरियाणा लड़कियों के वर्ग में जबकि चंडीगढ़ लड़कों के वर्ग में गत विजेता है। तकनीकी नियमों के तहत होगी स्पर्धा राष्ट्रीय सब जूनियर चैंपियनशिप से पहले इस साल के शुरू में पुरुष, महिला और जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी के तकनीकी नियमों के तहत प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें 1.5 मिनट के तीन राउंड होंगे तथा राउंड के बीच में एक मिनट का विश्राम होगा। प्रतियोगिता में 10 अंकों की स्कोरिंग प्रणाली अपनाई जाएगी।

मप्र, हरियाणा , झारखंड व ओडिशा जूनियर महिला चैम्पियनशिप में जीते

काकीनाडा। हॉकी मध्यप्रदेश, हॉकी हरियाणा, हॉकी झारखंड और ओडिशा हॉकी संघ ने यहां जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में मंगलवार को अपने अपने पूल मैच जीते। पहले डिविजन ए मैच में हॉकी मध्यप्रदेश ने हॉकी चंडीगढ को 5-0 से हराया। कृष्णा शर्मा ने दो जबकि काजल, आयुषी पटेल और अन्नु ने एक एक गोल किया। अगले मैच में हॉकी हरियाणा ने हॉकी बंगाल को 7-1 से मात दी।हॉकी झारखंड ने हॉकी कर्नाटक को 2-0 से मात दी। ओडिशा हॉकी संघ ने हॉकी आंध्र प्रदेश को 3-1 से हराया। डिविजन बी में उत्तराखंड ने पुडुच्चेरी को 11-0 से मात दी जबकि तमिलनाडु और दिल्ली ने 3-3 से ड्रॉ खेला।

भारतीय सेना एफटी ने त्रिभुवन सेना एफसी को हराया

जमशेदपुर। पी क्रिस्टोफर कामेइ के पहले हाफ में किये एकमात्र गोल की मदद से भारतीय सेना एफटी ने दस खिलाड़ियों तक सिमटी त्रिभुवन सेना एफसी को डूरंड कप फुटबॉल ग्रुप सी के मैच में 1-0 से हरा दिया। नेपाल की त्रिभुवन सेना एफसी के तीन मैचों में एक ही अंक रहा जबकि भारतीय सेना के दो मैचों में तीन अंक हैं। भारतीय सेना के लिये क्रिस्टोफर ने 21वें मिनट में गोल दागा।

सब-जूनियर राष्ट्रीय तैराकी में कर्नाटक चैंपियन

बेंगलुरु। कर्नाटक 41वीं सब जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में मंगलवार को यहां 104 अंक के साथ चैंपियन बना। मणिपुर 81 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। राज्य के तैराक कोइजाम अथोइबा सिंह को 28 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष तैराक चुना गया। गोव की पूर्वी रितेश नाईक 19 अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक रहीं। अथोइबा ने प्रतियोगिता के अंतिम दिन 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 58.59 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में पूर्वी ने एक मिनट 4.40 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

शीर्ष वरीयता खिलाड़ी ज्वेरेव गत विजेता पोपिरिन को हराकर सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| टोरंटो

शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जर्मन खिलाड़ी और यहां 2017 के चैंपियन ज्वेरेव ने पिछली बार के विजेता पोपिरिन को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव 75वीं बार एटीपी टूर के सेमीफ़ाइनल में पहुंचे हैं। वह अपने कुल 25वें और एटीपी 1000 मास्टर्स टूर्नामेंट में आठवें ख़िताब की तलाश में हैं।

कनाडा की मबोको सेमीफाइनल में, अब मुकाबला रयबाकिना से

मॉन्ट्रियल। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए टूर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को हराने के दो दिन बाद टोरंटो की रहने वाली 18 वर्षीय खिलाड़ी मबोको को लय हासिल करने में देर लगी लेकिन उन्होंने जल्द ही मैच पर नियंत्रण बना दिया और सीधे सेट में जीत दर्ज की।

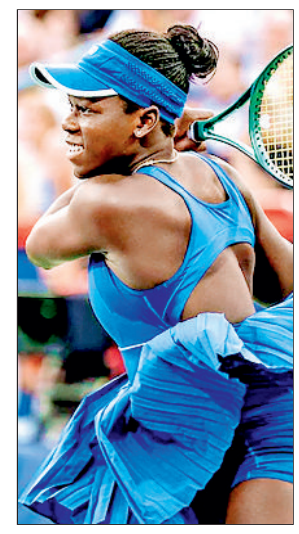

6 साल बाद मबोका सेमीफाइनल में पहुंचीं

मबोको 2019 में बियांका एंड्रीस्कू के खिताब जीतने के बाद से इस डब्ल्यूटीए 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली कनाडा की पहली खिलाड़ी हैं। वह टोरंटो में 2015 में बेलिंडा बेनकिच के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की महिला खिलाड़ी भी हैं।

मुकाबला अब कजाकिस्तानी से

मबोको का सामना अब एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मार्टा कोस्त्युक के हाथ में चोट लग जाने के कारण मैच के बीच में हट जाने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। यूक्रेन की खिलाड़ी ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त रयबाकिना 6-1, 2-1 से आगे चल रही थी।

एक टेस्ट सीरीज में

जडेजा, विराट सहित इन बल्लेबाजों ने इंग्लैंड में बनाए सर्वाधिक 50+ रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम से 3 बल्लेबाजों ने 500 से अधिक रन बनाए, जिसमें रविंद्र जडेजा भी शामिल रहे। उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ बल्लेबाजी में निरंतरता से रन बनाए। इस अनुभवी ऑलराउंडर ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज में 500 रन का आंकड़ा पार किया। इस बीच इंग्लैंड में खेलते हुए एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक 50+ रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

रविंद्र जडेजा (6 स्कोर, 2025)

जडेजा ने सभी 5 टेस्ट में हिस्सा लिया, जिसकी 10 पारियों में 86 की शानदार औसत से 516 रन बनाए। इस बीच उन्होंने 5 अर्धशतक और 1 शतक लगाया। वह इस सीरीज में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज रहे। इसके साथ-साथ वह किसी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में छठे या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 500 से अधिक रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए।

सुनील गावस्कर (5 स्कोर, 1979)

पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 1979 में इंग्लैंड के दौरे पर जोरदार प्रदर्शन किया था। पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने 77.42 की औसत के साथ 542 रन बनाए थे। उन्होंने एक दोहरा शतक (221) लगाने के साथ-साथ 4 अर्धशतक लगाए थे। उन्होंने उस इंग्लैंड दौरे पर 55 चौके लगाए। हालांकि, वह कोई छक्का नहीं लगा सके थे। उनके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 400 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सका था।

विराट कोहली (5 स्कोर, 2018)

इंग्लैंड ने 2018 में अपने घर पर खेलते हुए भारत को 4-1 से हराया था। भले ही उस सीरीज में भारतीय टीम को शिकस्त मिली थी, लेकिन विराट कोहली ने बल्लेबाजी में अलग स्तर का खेल दिखाया था। उन्होंने 10 पारियों में 59.30 की औसत के साथ 593 रन बनाए थे। कोहली ने 149 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ उस सीरीज में 3 अर्धशतक और 2 शतक लगाए थे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वालों में मुथैया नंबर वन पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट चटकाना किसी भी गेंदबाज के लिए उत्कृष्ट फॉर्म, फिटनेस और निरंतरता का प्रतीक होता है। जब एक गेंदबाज पूरे साल सभी प्रारूप में विपक्षी बल्लेबाजों के लिए चुनौती बन जाता है तब वह आंकड़ों में भी अपना दबदबा दर्ज करता है। ऐसे में आइए जानते हैं उन घातक गेंदबाजों के बारे में जिन्होंने एक साल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट चटकाकर क्रिकेट इतिहास में अपनी अलग पहचान बनाई।

मुथैया मुरलीधरन (136 विकेट, 2001)

इस सूची में पहले स्थान पर श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन हैं। उन्होंने साल 2001 में 45 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे और इस दौरान उन्होंने 1089.5 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने 245 मेडन ओवर के साथ 19.98 की औसत से उस साल 136 विकेट चटकाए थे।

(128 विकेट, 2006)

दूसरे स्थान पर भी मुरलीधरन ही हैं। उन्होंने साल 2006 में 40 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे और 854.2 ओवर में 147 मेडन ओवर थे। वह 128 विकेट लेने में सफल रहे थे।

शेन वॉर्न (120 विकेट, 1994)

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व महान गेंदबाज शेन वॉर्न इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 1994 में 39 मुकाबले खेले थे और इस दौरान 902.2 ओवर गेंदबाजी की थी। वॉर्न ने 230 मेडन ओवर के साथ 120 विकेट चटकाए थे। उनकी इकॉनमी रेट 3.14 की रही थी। उन्होंने 9 बार 5 विकेट हॉल और 5 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8/71 का रहा था।

ग्लेन मैक्ग्रा (119 विकेट, 1999)

कंगारू टीम के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 1999 में 41 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे और इस दौरान मैक्ग्रा ने 802.2 ओवर गेंदबाजी की थी। 187 मेडन ओवर के साथ उन्होंने 20.23 की औसत से 119 विकेट लिए थे। इस खिलाड़ी ने 6 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए थे और 1 बार दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिया था।

वेस्टइंडीज-पाक के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 8 से, रिजवान संभालेंगे कप्तानी

एजेंसी ▶▶| त्रिनिदाद

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने हाल ही में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के खिलाफ सम्पन्न हुई टी-20 सीरीज को 2-1 से जीतने में सफलता हासिल की थी। टी-20 सीरीज में पाकिस्तान ने पहला और तीसरा मैच जीता, जबकि दूसरा मुकाबला मेजबान टीम ने जीता था। अब दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 8 अगस्त से हो जाएगी। अभी वेस्टइंडीज की टीम का ऐलान नहीं हुआ है। इस सीरीज के लिए दोनों टीमें, शेड्यूल और अन्य अहम जानकारी पर एक नजर डालते हैं।

रिजवान करेंगे पाकिस्तान की कप्तानी

मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। हसन नवाज वनडे टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। इनके अलावा बाबर आजम और शाहीन अफरीदी भी वनडे टीम में खेलते दिखेंगे। ये खिलाड़ी टी-20 सीरीज में नहीं खेले थे।

ऐसा है वनडे सीरीज का शेड्यूल

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 8 अगस्त को होने वाले पहले मुकाबले से हो जाएगी। इसके बाद सीरीज का दूसरा मुकाबला 10 अगस्त को और तीसरा मुकाबला 12 अगस्त को खेला जाएगा। ये तीनों वनडे मैच त्रिनिडाड के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय समयानुसार पहला वनडे रात 11:30 बजे से और आखिरी 2 वनडे मैच शाम 7 बजे से खेले जाएंगे।अभी वेस्टइंडीज की टीम का ऐलान नहीं हुआ है।

वेस्टइंडीज का पलड़ा रहा है भारी

अब तक दोनों देशों की भिड़ंत में वेस्टइंडीज ने ज्यादा मैच जीते हैं। अब तक दोनों टीमें वनडे प्रारूप में कुल 137 मैच में आपस में भिड़ी थी, जिसमें से वेस्टइंडीज ने 71 मैच जीते थे, जबकि पाकिस्तान ने 63 मुकाबले अपने नाम किए थे। इस बीच 3 मैच टाई भी रहे थे। वेस्टइंडीज ने अपने घर पर खेलते हुए पाकिस्तान को 16 वनडे में हराया है और 15 में शिकस्त झेली है।

पाकिस्तान ने जीती हैं ज्यादा वनडे सीरीज

अब तक दोनों देशों की भिड़ंत में पाकिस्तान ने ज्यादा सीरीज अपने नाम की हैं। अब तक दोनों टीमें 18 वनडे सीरीज में आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से वेस्टइंडीज ने 6 सीरीज जीती हैं, जबकि 11 सीरीज पर पाकिस्तान ने सफलता हासिल की है। इस बीच 1 सीरीज टाई भी रही थी। दिलचस्प रूप से वेस्टइंडीज ने 1991 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ कोई वनडे सीरीज नहीं जीती है।

एशियाई कप 2026 के क्वालीफायर की मेजबानी करेगा अहमदाबाद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत 22 से 30 नवंबर तब होने वाले एएफसी अंडर-17 एशिया कप फुटबॉल क्वालीफायर की मेजबानी करने वाले सात मेजबानों में शामिल है। अहमदाबाद के 'द एरेना' में सभी मैचों का आयोजन किया जाएगा। क्वालीफायर के ड्रॉ सात अगस्त को होंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, ''एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 क्वालीफायर के मेजबान देशों में शामिल होना भारत के लिए बेहद गर्व की बात है और अहमदाबाद में आयोजन को लेकर मैं काफी खुश हूं।

AFC U17 ASIAN CUP™ QUALIFIERS

अर्जुन एरिगेसी को गुजराती और गिरि से मिलेगी कड़ी चुनौती

चेन्नई। भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी को सोमवार 11 अगस्त से शुरू हो रहे चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे सत्र में नीदरलैंड के अनीश गिरि और अपने हमवतन विदित गुजराती से कड़ी चुनौती मिलेगी। इस टूर्नामेंट में विजेता को एक करोड़ रूपये मिलेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जायेंगे।

BILASPUR SMART CITY LIMITED
3rd FLOOR, ICCC Building, at Tarbahar Thana Bilaspur (C.G.)
Phone No. 07752-222642, Fax. 07752-413888, e-mail: tenders.bscl@gmail.com

E-Procurement-REQUEST FOR PROPOSAL

No.372/BSCL/2025-26 Bilaspur, Dated 04/08/2025

BSCL invites online proposal following works from eligible contractors:

NIT No.	System Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract (in Lakhs)	Bid Due Date
244	173167	Selection of Agency for construction of Academic Blocks at Education Hub in Zone-5 of Bilaspur Municipal Corporation Madhuban area, Bilaspur (C.G.). (Funded under DMF)	1482.80	27/08/2025 IST 05:30 PM

Interested parties may view and download RFP Document details online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal http://eproc.cgstate.gov.in

MANAGER
BILASPUR SMART CITY LIMITED

Green City, Clean City, Smart City.

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email Id: birgaonmcp@gmail.com http://www.nagarnigambirgaon.com

क्रं./2519/ न.पा.नि./लो.नि.शाखा/2024-25 बीरगांव, दिनांक 04/08/2025

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
e-Procurement Tender Notice (2nd Call)
(System Tender 173155 (2nd Call))
(Bid Start Date 04.08.2025 Time 15:30, Bid Due date 20.08.2025 Time 17:30, Physical Submission Date 27.08.2025 Time 16:00, Bid open Date 27.08.2025 Time 17:00)

नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा Construction of Toilet Block Type-2 (6 Seater) Aspirational Toilet at ward No. 12 in Front of Ramayan Maidan Rawabhata Near ESIC Hospital (Tender Cost 16.92 lakh) Tender system no. 173155 के लिये छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र "F" में छत्तीसगढ़ के पी.डब्लू.डी. भवन एस.ओ. आर. 2015 एवं इलेक्ट्रीकल एस. ओ. आर. 2020 (अंतिम तिथि तक संशोधित) अनुसार लमसम दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 20.08.2025 (आवेदन करने की अंतिम तिथि) तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है ।

इच्छुक सक्षम पात्र निविदाकार, निविदा प्रपत्र, अनुमानित लागत राशि, नियम एवं शर्तें, धरोहर राशि, Key Date एवं विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निकाय कार्यालय से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह जानकारी संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में भी उपलब्ध है। इसे https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/प्राप्त कर ई टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा भरने की कार्यवाही कर सकते है ।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत टुण्डरा
जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक /391/ न.पं./ लो.नि.शा./ 2025-26 टुण्डरा, दिनांक 04/08/2025

प्रथम ई-निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पंचायत टुण्डरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत (रु. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
01	173156	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat, Tundra Under SBM 2.0	173.27	28/08/2025 17:00:00

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

जल ही जीवन है, कृपया पानी व्यर्थ न बहावें। समय पर करों का भुगतान करें।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत टुण्डरा
जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

सवाल

सुनामी-तूफान तक का मिल जाता है अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में मंगलवार सुबह खीर गंगा नदी के पास बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचाई। लेकिन, सवाल उठता है कि भूकंप, सुनामी और तूफान की चेतावनी देने में सक्षम मौसम विज्ञान बादल फटने की घटनाओं की सटीक भविष्यवाणी क्यों नहीं कर पाता?

बादल फटने की जानकारी देने में साइंस क्यों फेल?

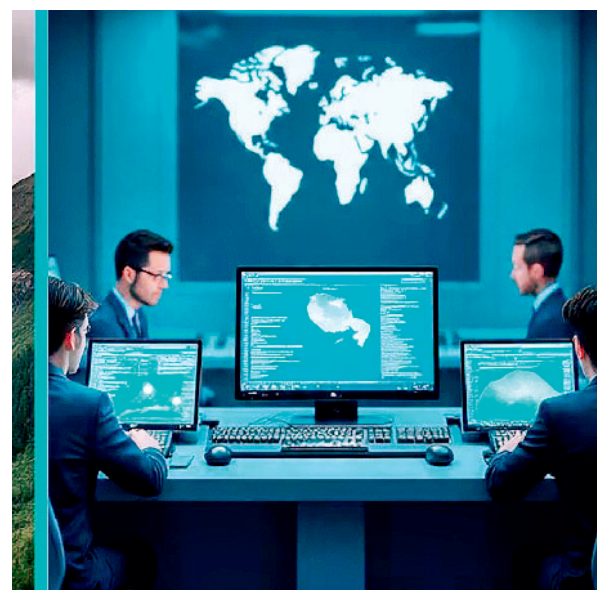

बादल फटने की भविष्यवाणी में विज्ञान की सीमाएं

बादल फटना या क्लाउडबर्स्ट एक ऐसी प्राकृतिक घटना है, जिसमें कम समय 1 घंटे में 100 मिमी से अधिक में सीमित क्षेत्र 20-30 वर्ग किमी में मूसलाधार बारिश होती है। यह आमतौर पर पहाड़ी क्षेत्रों में होता है, जब नमी से भरे मानसूनी बादल पहाड़ों से टकराकर रुक जाते हैं और गर्म-ठंडी हवाओं के मिलन से पानी की बूंदें एक साथ गिरने लगती हैं। मौसम विभाग भूकंप (सिस्मिक सेंसर), सुनामी (समुद्री सेंसर) और तूफान (सैटेलाइट और रडार) की भविष्यवाणी में सक्षम है, लेकिन बादल फटने की सटीक भविष्यवाणी कई कारणों से मुश्किल है। बादल फटने की घटनाएं छोटे क्षेत्र और कम समय में होती हैं, जिसके लिए अति उच्च-रिजॉल्यूशन रडार और

मौसम विज्ञान की सीमाएं उजागर

ऐसे में धराली में बादल फटने की घटना ने एक बार फिर मौसम विज्ञान की सीमाओं को उजागर किया है। छोटे क्षेत्र में होने वाली तीव्र बारिश की सटीक भविष्यवाणी के लिए उन्नत तकनीक और निवेश की जरूरत है। नीति निर्माताओं को हिमालयी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर ध्यान देना होगा, ताकि भविष्य में ऐसी तबाही को कम किया जा सके। धराली की त्रासदी न केवल स्थानीय निवासियों, बल्कि पूरे देश के लिए एक चेतावनी है कि प्रकृति के कहर से बचने के लिए विज्ञान और नीतियों में सुधार जरूरी है।

बिहार ले जाई जा रही 51 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत जशपुर पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने राजस्थान से शराब की तस्करी कर रहे एक ट्रक को ग्राम आगडीह के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर घेराबंदी कर रोका। ट्रक की तलाशी में 734 कार्टून में भरी कुल 6588 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिसका बाजार मूल्य लगभग 51 लाख आंकी गया है। पुलिस ने शराब से लदे ट्रक यूपी 12ए टी 1845 को भी जब्त करते हुए चालक को हिरासत में लिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध ट्रक अवैध शराब के साथ जशपुर क्षेत्र से गुजरने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम आगडीह के पास नाकेबंदी कर संदिग्ध ट्रकों की चेकिंग शुरू की। इसी दौरान उक्त ट्रक आते हुए देखा गया, जिसे रोककर तलाशी ली गई। जांच में अंग्रेजी शराब से भरे 734 कार्टून मिले। गिरफ्तार ट्रक चालक की पहचान चिमा राम (26 वर्ष), निवासी थाना बायतु, जिला बाड़मेर राजस्थान के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह यह ट्रक चंडीगढ़ पंजाब से रांची झारखंड ले जा रहा था। जहां से एक अन्य व्यक्ति द्वारा ट्रक को बिहार ले जाया जाना था। आरोपी ने यह भी बताया कि उसे इस काम के लिए 45 हजार दिए गए थे। उसे यह जानकारी नहीं थी कि ट्रक में क्या सामान लदा है।

तस्करी का विशेष रूट, टोल-नाका से बचाव की रणनीति

तस्करों द्वारा शराब की तस्करी के लिए हिमाचल प्रदेश, लखनऊ, अंबिकापुर, जशपुर होते हुए रांची का मार्ग चुना जाता है ताकि टोल नाके और पुलिस जांच की संख्या कम हो। इस बार भी यही रणनीति अपनाई गई थी, परंतु जशपुर पुलिस की तत्परता और मुखबिर तंत्र ने इस प्रयास को विफल कर दिया।

बड़े अंतरराज्यीय सिंडिकेट की संलिप्तता

पुलिस को आशंका है कि इस तस्करी के पीछे एक बड़ा अंतरराज्यीय शराब माफिया गिरोह सक्रिय है, जो ड्राइवरों को महज ट्रांसपोर्ट का माध्यम बनाकर मालिक व गंतव्य से पूरी तरह अनजान रखते हैं। इसी मॉडल पर फरवरी 2025 में भी जशपुर पुलिस ने दो ट्रकों से करीब 14025 लीटर (1574 पेटी) अवैध शराब पकड़ी थी, जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपये थी। उस समय भी ड्राइवरों को केवल एक निश्चित स्थान से ट्रक ले जाने की जिम्मेदारी दी गई थी।

पुलिस ने दर्ज किया मामला आरोपी जेल भेजा गया

थाना सिटी कोतवाली जशपुर में आरोपी के खिलाफ 34(1)(क), 34(2) छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी चिमा राम को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है

ऑपरेशन आघात के तहत लगातार हो रही कार्रवाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने बताया कि ऑपरेशन आघात के तहत लगातार नशे के सौदागरों पर शिकंजा कसा जा रहा है। इस प्रकार की तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मामले में अंतरराज्यीय सिंडिकेट की जांच जारी है। जल्द ही इनके नेटवर्क को तोड़ा जाएगा।

बच्चों को कुत्ते का जूठा-खाना खिलाया, कोर्ट ने कहा- यह जान से खिलवाड़, भोजन गरिमा के साथ हो

बिलासपुर। बलौदाबाजार जिले के सरकारी स्कूल में मध्यान्ह भोजन के दौरान बच्चों को कुत्ते का जूठा भोजन खिलाया गया। इस पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। मीडिया रिपोर्ट्स को जनहित याचिका मानकर हाईकोर्ट ने राज्य शासन के स्कूल शिक्षा सचिव को मामले में चार बिंदुओं पर शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने यह भी पूछा है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने क्या कदम उठाए जाएंगे। शिक्षक-महिला समूह पर क्या कार्रवाई हुई। मामले की अगली सुनवाई 19 अगस्त को होगी।

- कोर्ट ने एजुकेशन-सेक्रेटरी से जवाब मांगा

दरअसल, 29 जुलाई को बलौदाबाजार जिले के पलारी ब्लॉक के लच्छनपुर गांव के सरकारी स्कूल में मिड-डे मील के नाम पर बड़ी लापरवाही सामने आई। यहां मध्यान्ह भोजन के लिए बच्चों को दिए जाने वाले खाना को आवारा कुत्तों ने जूठा कर दिया था। छात्रों ने जब शिकायत की, तब भी उनकी बातों को नजरअंदाज कर दिया गया और उन्हें कुत्तों के जूठे भोजन को परोस दिया गया। जब छात्रों ने यह बात अभिभावकों को बताई तो स्कूल समिति की बैठक हुई और दबाव में आकर विद्यार्थियों को दो डोज एंटी रेबीज वैक्सीन दी गई। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक 84 बच्चों ने भोजन किया, जिसमें से 78 को वैक्सीन दी गई। इसी पर हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस सिन्हा की डिवीजन बेंच ने इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि छात्रों को परोसा जाने वाला भोजन कोई औपचारिकता नहीं है, यह गरिमा के साथ होना चाहिए।

कुत्ते का जूठा भोजन परोसना न सिर्फ लापरवाही है, बल्कि बच्चों की जान को सीधा खतरे में डालना है। एक बार रेबीज हो जाने पर इलाज संभव नहीं होता। कोर्ट ने घटना को गंभीर प्रशासनिक विफलता और अमानवीय कृत्य करार दिया है।

सरकार से मांगा जवाब

- क्या सभी बच्चों को रैबिज का टीका लगाया गया
- क्या शिक्षकों और स्वसहायता समूह पर कार्रवाई हुई
- बच्चों को किसी प्रकार का मुआवजा दिया गया या नहीं
- भविष्य में इस तरह की घटनाएं ना हो इसके लिए क्या व्यवस्था है

शराब घोटाला, जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे चैतन्य बघेल

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में हिरासत में लिए जाने का विरोध करते हुए चुनौती दी गई है तो साथ ही जमानत की मांग की गई है। ध्यान रहे कि मनी लांड्रिंग के मामले में ईडी ने चैतन्य को हिरासत में लिया है। इसके खिलाफ चैतन्य बघेल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सूको ने उन्हें हाईकोर्ट जाने की सलाह दी है। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका को सुनने से इनकार कर दिया, वहीं दूसरी याचिका पर सुनवाई 6 अगस्त को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाते हुए कहा कि दोनों ने एक ही याचिका में पीएमएलए के कई सेक्शन को चुनौती देने के साथ-साथ जमानत जैसी व्यक्तिगत राहत की मांग भी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब किसी मामले में कोई प्रभावशाली व्यक्ति शामिल होता है तो वो सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख करता है। यदि हम ही सब केस सुनेंगे तो बाकी अदालतें किसलिए हैं। अगर ऐसा ही होता रहा तो फिर आम आदमी कहां जाएंगे। एक साधारण आदमी और वकील के पास पैरवी के लिए सुप्रीम कोर्ट में कोई स्पेस ही नहीं बचेगा। वहीं शराब घोटाला केस में रायपुर जेल में बंद भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की रिमांड फिर बढ़ गई है। चैतन्य को 18 अगस्त तक 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। 14 दिन की रिमांड खत्म होने के बाद चैतन्य को सोमवार को ईडी की विशेष कोर्ट में पेश किया गया था। ध्यान रहे कि छत्तीसगढ़ के शराब, कोयला घोटाला और महादेव सट्टा ऐप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी जांच के दायरे में हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मामले की जांच कर रही है।

महादेव सट्टा एप के मामले में शेयर ब्रोकर केडिया की जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर । महादेव सट्टा एप मामले से जुड़े शेयर ब्रोकर गोविंद केडिया की जमानत याचिका खारिज हो गई है। आरोपी गोविंद केडिया ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से उच्च न्यायालय में याचिका लगाई थी। जिस पर 24 जुलाई 2024 को सुनवाई होने के बाद फैसला सुरक्षित रखा गया था। पिछली 24 जुलाई 2025 को हुई सुनवाई में ईडी के वकील सौरभ कुमार पांडे ने अपनी जिरह की थी। वहीं जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे मंगलवार को सुनाया गया है। इसके साथ ही याचिकाकर्ता गोविन्द केडिया की याचिका खारिज कर दी है। दरअसल ईडी के अनुसार केडिया महादेव बेटिंग एप के प्रमोटरों में से एक था और विकास छापरिया जो कि एक प्रमुख आरोपी है उससे संबंध है। बीते 7 दिसंबर 2024 को रायपुर स्थित विशेष पीएमएलए कोर्ट में गोविंद केडिया को पेश किया गया था और रिमांड में भी लिया गया था और आगे की कार्रवाई की गई थी।

प्राचार्य प्रमोशन पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

बिलासपुर। प्राचार्य पदोन्नति मामले में मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई में प्राचार्य पदोन्नति में याचिकाकर्ता नारायण प्रकाश तिवारी और अतिरिक्त महाधिवक्ता यशवंत सिंह ठाकुर ने अपना-अपना अंतिम संक्षेप पक्ष रखा। जस्टिस रविंद्र कुमार ने सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा है। इससे पहले इन्टरविनर अधिवक्ता अनूप मजूमदार ने पक्ष रखा था। इससे पहले छत्तीसगढ़ में प्राचार्य पदोन्नति को लेकर हाईकोर्ट ने अहम फैसले में राज्य सरकार के बनाए गए नियमों और मापदंडों को पूरी तरह वैध माना है। कोर्ट ने इस मामले में लगाई गई आधा दर्जन याचिकाएं खारिज कर दी हैं। केस की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस एके प्रसाद की बेंच में हुई। ज्ञात हो कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 30 अप्रैल को प्राचार्य पदोन्नति की सूची जारी की थी, जिसे हाई कोर्ट ने 1 मई को स्टे दे दिया था।

गुफा में मिला 34 करोड़ साल पुरानी शार्क का जीवाश्म! वैज्ञानिक भी रह गए दंग

वॉशिंगटन। अमेरिका में वैज्ञानिकों ने ऐसा जीवाश्म खोजा है जो 34 करोड़ साल से भी ज्यादा पुराना है। आपको बता दें कि यह कोई अभी का जानवर नहीं, बल्कि करोड़ों साल पुरानी शार्क की प्रजाति है। यह जीवाश्म अमेरिका के केंटकी राज्य में एक मैमथ नाम की गुफा में पाया गया है। वैज्ञानिक कह रहे हैं कि यह समय की गहराई से निकला किसी अजूबे से कम नहीं है। इस जीवाश्म का नाम मैकाडेंस ओल्सोनी है और वैज्ञानिकों ने बताया कि इस प्रजाति के परिवार के कई जीव पुराने वक्त में इस इलाके की समुद्र वाली दुनिया में तैरते थे। वैज्ञानिक बताते हैं कि इस शार्क की बनावट बहुत घातक थी, लेकिन शरीर का आकार बहुत छोटा था। इस शार्क के दांत बहुत घुमावदार थे, जो कीड़े और नर्म शरीर वाले जानवरों और साथ ही दूसरे जीवों को कुचलकर खाने के लिए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि उस समय के दौर में जब जीवाश्म पाया जाने वाला यह इलाका पहले समुद्र के नीचे था और यहां पर कोरल्स, क्रिनॉयड्स और अजीबोगरीब परियों जैसे समुद्री जीवों से भरे हुए रीफ्स पाए जाते रहे होंगे।

70 से अधिक प्रजातियां

नेशनल पार्क सर्विस, स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन और मैमथ केव की पेलियॉन्टोलॉजी टीम के वैज्ञानिकों ने हाल ही में शार्क की एक और प्रजाति रोटुलाडेन्स को फिर से क्लासीफाइड किया है और आपको जानकर हैरानी होगी की यह भी इसी इलाके से मिली थी। 70 से अधिक मछली की प्रजातियों को अब तक मैमथ केव में खोजा जा चुका है और अभी भी इन पर रिसर्च जारी है। इसलिए, कई प्रजातियों को अभी तक कोई नाम नहीं दिया गया है।

बस इसी कारण नहीं हो रही शादी... 50 से अधिक लड़के-लड़कियां अब भी कुंवारे

नैनीताल। भारत ने जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। वहीं, उत्तराखंड के नैनीताल का एक ऐसा भी गांव है। जहां पर लड़के-लड़कियों की शादियां तक नहीं हो पा रही हैं। वजह जानकर आप भी हैरान हो जाएंगी। आप भी सोचने को मजबूर हो जाएंगे कि जो देश चांद और मंगल की ओर कदम बढ़ा रहा है, लेकिन, आज भी विकास की अभाव में जी रहा हो।

गांव वालों ने इसको लेकर क्या कहा : ग्रामीणों का कहना है कि शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, पूरे गांव का सामाजिक मान-सम्मान होता है। लेकिन, जब बारात ही गांव तक नहीं पहुंच सकती, तो उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। हमने कई बार प्रशासन से सड़क की मांग की,

लेकिन आज तक सिर्फ वादे ही मिले हैं। ग्रामीणों का कहना है जब तक सड़क नहीं बनेगी, न तो कोई बेटी यहां से विदा होगी, और न ही कोई बारात गांव में आएगी। इतना ही नहीं, यहां बीमार व्यक्ति को आज भी डोली में बैठाकर नैनीताल लाना पड़ता है। सड़क सही नहीं होने के कारण गांव तक वाहन भी नहीं पहुंच पाती। नैनीताल की डीएम वंदना सिंह का कहना है गांव में सड़क निर्माण की सभी कार्य और औपचारिकताएं पूरी हो गई हैं।

कौन-सा गांव है?

नैनीताल जिले का गैरीखेत गांव है। जो सड़क की कमी अब सिर्फ विकास की नहीं, बल्कि सामाजिक संकट की वजह बन गई है। यहां के युवाओं की शादी की राह सिर्फ दिल से नहीं, अब सड़क से भी होकर गुजरती है। आपको बता दें कि यहां 50 से अधिक युवक-युवतियां वर्षों से सिर्फ इसलिए कुंवारे हैं, क्योंकि बारात गांव तक पहुंच नहीं पाती। बरसात हो या धूप, बारात का आना-जाना बहुत मुश्किल हो जाता है। कई बार तो रिश्ते तय होने से पहले ही टूट जाते हैं। गांव के कई लड़के लड़कियों की लव मैरिज तक टूट गई।

उपलब्धि चीन के वैज्ञानिकों का दावा- गहरे अंधेरे में पनप रही जिंदगी

धरती के नीचे भी है एक जीवन!

बीजिंग। मंगल ग्रह पर जीवन की तलाश की जा रही है। एलियंस को लेकर भी तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। ये बिल्कुल तय माना जा रहा है कि धरती से परे स्पेस में निश्चित तौर पर जीवन है या फिर जीवन की संभावना है। दुनिया की कई स्पेस एजेंसियां इस खोज में जुटी हैं, मगर चीन ने इन सब अनुमान और संभावनाओं से परे ऐसी खोज की है जो चौंकाने वाली है।

कनाडा के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर चीन के वैज्ञानिकों ने धरती के नीचे गहरे अंधेरे में जीवन का पता लगाया है। यह वो स्थान है जहां सूरज की रोशनी आज तक पहुंची ही नहीं। रिसर्च में ये दावा किया गया है कि धरती की गहराई में पनप रहा ये जीवन उन भूकंप से ऊर्जा लेता है जो हमारे आपके सामने आए दिन आते हैं। पारंपरिक विज्ञान से परे ये खोज चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल, अब तक ये माना जाता था कि धरती की सतह से कई किलोमीटर नीचे जीवन का अस्तित्व नहीं हो सकता।

कैसे जीवित हैं ये सूक्ष्मजीव

रिसर्च में चीनी विज्ञान अकादमी के गुआंगझोउ इंस्टीट्यूट ऑफ जियोकेमिस्ट्री (जीआईजी) के प्रोफेसर झू जियानक्सी और हे होंगपिंग तथा अल्बर्टा विवि के प्रोफेसर कर्ट कोनहॉसर ने इसका जवाब जानने की कोशिश की है। इस रिसर्च को साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि धरती पर जो भूकंपीय गतिविधि होती हैं, वह इन जीवों के लिए जनरेटर का काम करती हैं, इन्हीं से इनका जीवों का जीवन चक्र चलता है।

कोबरा से भी कई गुना जहरीला है ये छोटा जीव

लंदन। यह छोटा जीव इंडो-पैसिफिक की चट्टानों पर रहता है। इस जीव के जहर से इंसानों का मरना बेहद दुर्लभ है। बताया जाता है कि कोन स्नेल घोंघा की वजह से कई लोगों मौत हो चुकी है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि घोंघा के काटे लोगों को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया गया, तो 65 प्रतिशत लोगों की मौत हो गई।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com